सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 341 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 24 सितंबर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

27 सितंबर को छत्तीसगढ़ आएंगे सुखदेव भगत, सीनियर नेताओं से करेंगे बैठक

भिलाई। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत

27 सितंबर को रायपुर पहुंचेंगे। प्रदेश प्रभारी की जिम्मेदारी मिलने के बाद यह उनका छत्तीसगढ़ का पहला दौरा होगा। वे तीन दिन प्रदेश में रहेंगे। इस दौरान सुखदेव भगत वरिष्ठ नेताओं, प्रदेश पदाधिकारियों, विधायकों और संगठन के अलग-अलग मोर्चा-प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे। साथ ही संगठन की मौजूदा स्थिति, आगामी कार्यक्रमों और पार्टी की तैयारियों को लेकर फीडबैक लेंगे। सुखदेव भगत के दौरे के दौरान जोगी कांग्रेस के कांग्रेस में विलय को लेकर भी चर्चा हो सकती है।

एशियन गेम्स : हॉकी में भारत ने द. कोरिया को 8-2 से हराया

नईदिल्ली। पुरुष हॉकी में पूल-ए के मैच में भारतीय हॉकी टीम ने दक्षिण कोरिया को 8-2 से हरा दिया। भारत के लिए शिलानंद लाकरा ने चौथे मिनट, सुखजीत सिंह ने नौवें मिनट में गोल दागे। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 11वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दाग भारत को 3-0 से आगे कर दिया। इसके एक मिनट बाद अभिषेक ने गोल दागा। फिर दिलप्रीत सिंह ने 26वें मिनट में गोल दाग भारत को 5-0 से आगे कर दिया। तीसरे क्वार्टर में भारत ने दो और गोल दागे, जबकि कोरिया की ओर से भी पहला गोल हुआ। भारत की ओर से दिलप्रीत ने 32वें मिनट में अपना दूसरा गोल और अभिषेक ने 38वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागा। दक्षिण कोरिया की ओर से एकमात्र गोल किम जैहो ने 42वें मिनट में किया। तीसरे क्वार्टर तक भारत 7-1 से आगे थे। फिर चौथे क्वार्टर में दक्षिण कोरिया की ओर से किम योंगबोक ने 52वें मिनट में गोल दाग स्कोर 7-2 कर दिया। वहीं, रजिंदर सिंह ने 60वें मिनट में गोल दागा और स्कोर 8-2 कर दिया। आखिर तक यही स्कोरलाइन रहा और भारत ने जीत हासिल की। अब पूल स्टेज में ही भारत का सामना जापान से होगा।

लोको पायलटों के तबादले पर रोक से कोर्ट का इनकार

बिलासपुर। हाई कोर्ट ने एसईसीआर के लोको पायलटों को बड़ा झटका दिया है। अदालत ने रेलवे प्रशासन के उस आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है, जिसके तहत प्रमोशन के बाद कर्मचारियों का अन्य दूरस्थ स्टेशनों पर तबादला किया गया था। चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच ने कहा कि केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण, जबलपुर के आदेश में किसी प्रकार की त्रुटि नहीं है। ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन और अन्य लोको पायलटों ने हाई कोर्ट में याचिका लगाई थी, इसमें बताया कि याचिकाकर्ता पहले सहायक लोको पायलट के पद पर तैनात थे। 4 दिसंबर 2025 को उन्हें पदोन्नत कर लोको पायलट गुड्स के पद पर पदोन्नति दी गई। इसके बाद रेलवे ने उनका तबादला दूरदराज के स्टेशनों पर कर दिया। यह 10 अक्टूबर 2024 को जारी रेलवे के अपने ही निर्देशों के खिलाफ है। कोर्ट ने केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण के निर्देश को सही ठहराया।

आंध्र प्रदेश के तट से टकराया चक्रवात अर्नब ओड़िशा में भारी बारिश, छत्तीसगढ़ में रेड अलर्ट

उत्तर आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के तट से देर रात टकराया तूफान, चार राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बंगाल की खाड़ी से बना अर्नब चक्रवात उत्तर आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के तट से देर रात 11 से 1 बजे के बीच टकरा गया। इसके असर से दोनों राज्यों के कई इलाकों में भारी बारिश हो रही है। ओडिशा में करीब 5 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। दक्षिणी जिलों में 4 से ज्यादा पुल और सड़कें बह गईं। इधर चक्रवात अर्नब के कारण दक्षिण छत्तीसगढ़ में भारी बारिश हो रही है। इसके कारण बस्तर जिले में कलेक्टर ने सभी स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है।

चक्रवात अर्नब के कारण आंध्रप्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के कलिंगपट्टनम के कई इलाकों में भारी बारिश के साथ 75 किमी प्रति घंटे तक की हवाएं चलीं। मौसम विभाग के मुताबिक, यह सिस्टम पिछले 6 घंटे में 3 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ा। आईएमडी के अनुसार ओडिशा में चक्रवात अर्नब का सबसे ज्यादा असर होने की आशंका है। करीब 5,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। 11 जिलों के कलेक्टरों

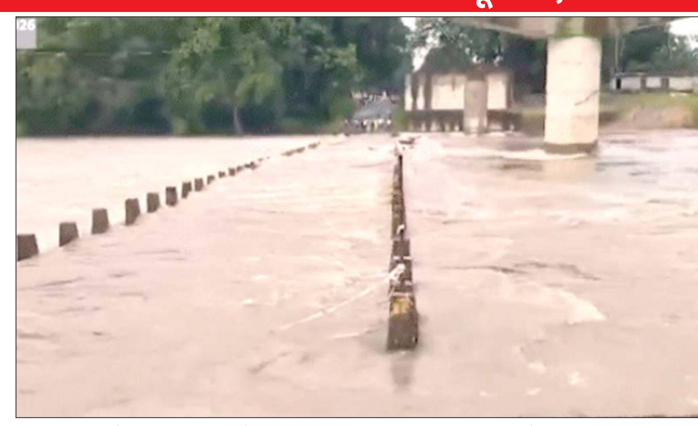

को राहत और बचाव की तैयारियां पूरी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

छत्तीसगढ़ में भारी बारिश का रेड अलर्ट

मौसम विभाग ने चक्रवात के कारण छत्तीसगढ़ में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। गुरूवार को प्रदेश के कुछ जिलों में बारिश का दौर जारी रह सकता है, वहीं कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है। एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की चेतावनी भी जारी की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक 25 सितंबर को दक्षिण छत्तीसगढ़ में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। इससे आसपास के क्षेत्रों में भारी बारिश होगी।

भारी बारिश के कारण बस्तर के सभी स्कूलों में छुट्टी

दक्षिण छत्तीसगढ़ यानी बस्तर जिले में लगातार हो रही तेज बारिश के कारण जनजीवन काफी प्रभावित हुआ है। जिले के नदी-नाले उफान पर आ गए हैं और कई प्रमुख रास्तों पर जलभराव की स्थिति बन गई है। मौसम और हालात की गंभीरता को देखते हुए, बस्तर कलेक्टर ने छात्रों की सुरक्षा को देखते हुए गुरूवार को जिले के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है।

छत्तीसगढ़ में आने वाले 5 दिनों का मौसम

मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ में आने वाले पांच दिनों के मौसम को लेकर भी अपडेट जारी किया है।

- 25 सितंबर को प्रदेश में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। बारिश का रेड अलर्ट जारी रहेगा। भारी बारिश के साथ तेज हवा चलने व कहीं कहीं वज्रपात होने की भी संभावना है।
- 26 सितंबर को अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने इस दिन ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। भारी बारिश, गरज-चमक के साथ तेज हवा तथा वज्रपात की संभावना है।
- 27 सितंबर को छत्तीसगढ़ के अधिकांश जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने इस दिन येलो अलर्ट जारी किया है, एक-दो स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है।
- 28 सितंबर को छत्तीसगढ़ में कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने इस दिन ग्रीन अलर्ट जारी किया है। कहीं कहीं छिटपुट फुहारें पड़ सकती हैं।
- 29 सितंबर को प्रदेश कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इस दौरान मौसम खुला रहेगा। मौसम विभाग ने इस दिन को ग्रीन जोन में रखा है।

छत्तीसगढ़ में वज्रपात का कहर : खेत में काम कर रही महिला सहित चार की मौत

खराब मौसम के बीच छत्तीसगढ़ के अलग अलग हिस्सों में गुरूवार को वज्रपात का कहर देखने को मिला। खेत में काम कर रही महिला सहित चार लोगों की मौत हो गई। बालोद में महिला ने बिजली की चपेट में आने से अनुसुइया बाई (40) ने मौके पर ही मौत हो गई। दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई। कांकेर में बिजली गिरने से 52 साल के किसान रामसिंह मंडावी की मौत हो गई है। रामसिंह मंडावी अपने खेत पर काम करने गए बारिश से बचने के लिए रामसिंह खेत में लगे जामुन के पेड़ के नीचे आराम करने बैठ गए। तभी अचानक पेड़ के पास बिजली गिरी। तीसरी घटना बेमेतरा जिले के बेरला थाना क्षेत्र की है। यहां बिजली गिरने से 2 मजदूरों की मौत हो गई। यह घटना सुरहोली-कुसमी मार्ग पर एक तालाब के पास हुई। मृतकों की पहचान पश्चिम बंगाल निवासी मनोज राजवंशी और जगदीश राजवंशी के रूप में हुई है।

स्लीपर बस में लगी आग, जिंदा जले 9 यात्री, 20 का रेस्क्यू

यात्रियों का आरोप ड्राइवर ने आग लगने के बाद भी नहीं रोकी

गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश के नोएडा में बुधवार रात यमुना एक्सप्रेस-वे पर स्लीपर एसी बस में आग लगने से 9 यात्रियों की मौत हो गई। इनमें 8 पुरुष और एक महिला है। बस में 35 यात्री सवार थे। 20 को रेस्क्यू किया गया, जबकि कुछ यात्री खिड़कियां तोड़कर बाहर निकल गए। हादसा रात करीब 11:30 बजे जेवर एयरपोर्ट से 500 मीटर दूर हुआ। बस दिल्ली के कश्मीरी गेट से रात 9:30 बजे महोबा के लिए निकली थी। एसी में ब्लास्ट की आशंका है। शव बुरी तरह जल गए हैं। अभी तक उनकी पहचान नहीं हो पाई है।

मिली जानकारी के अनुसार, हादसा रात करीब 12 बजे हुआ। बस नोएडा से करीब 34 किलोमीटर आगे पहुंची थी, तभी उसमें आग लगने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने का पता चलते ही कुछ यात्रियों ने बस से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। कुछ ही देर में आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। कई लोग बस के अंदर ही फंसे रह गए। भीषण आग की चपेट में आने से नौ यात्री जिंदा जल गए। जबकि कई घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस को धू-धूकर जलता देख एक्सप्रेसवे से गुजर रहे अन्य वाहन चालकों में भी हड़कंप मच गया। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें बस आग की लपटों से घिरी नजर आ रही है। सूचना मिलने पर जेवर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस के अनुसार, पुलिस ने बताया कि बस में आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। मामले की जांच की जा रही है।

45 मिनट में आग बुझी, 2 घंटे चला रेस्क्यू

फायर ब्रिगेड की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और 45 मिनट में आग बुझाई। बस का पिछला हिस्सा काटकर फायरकर्मी अंदर पहुंचे। एक-एक शव बाहर निकाला गया। रेस्क्यू करीब 2 घंटे चला। चीफ फायर ऑफिसर प्रदीप कुमार के मुताबिक शुरुआती जांच में स्पार्क या ब्लास्ट से इंजन में आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

मंत्रालय की बस में आग के बाद कर्मचारियों का प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में मंत्रालय की बस में आग लगने की घटना के बाद गुरुवार को मंत्रालयीन कर्मचारी संघ ने खराब बस व्यवस्था के खिलाफ मंत्रालय के बाहर प्रदर्शन किया। कर्मचारी मंत्रालय के मेन गेट पर इकट्ठा हुए और बसों के मेंटेनेंस को लेकर नाराजगी जताई। इस दौरान कर्मचारियों ने 'रघुपति राघव राजा राम' गाकर विरोध दर्ज कराया।

दरअसल, बुधवार शाम मंत्रालय से करीब 35 कर्मचारियों को लेकर रायपुर के

कबीर नगर जा रही सिटी बस में अचानक आग लग गई थी। बस रवाना होने से पहले ही उसके निचले हिस्से से धुआं उठने लगा। कुछ ही देर में आग की लपटें निकलने लगीं। बस में सवार सभी कर्मचारी तुरंत बाहर निकल गए, जिससे बड़ा हादसा टल गया। करीब 20 मिनट में बस लगभग पूरी तरह जल गई।

कर्मचारियों का कहना है कि बस में आग बुझाने के लिए फायर एक्सटिंग्विशर तक नहीं था। आग लगने के बाद मंत्रालय परिसर में रखे 10-10 किलो के दो फायर एक्सटिंग्विशर लाकर आग बुझाने की कोशिश की गई। इसके बाद दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हालांकि, आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है।

सीआरपीएफ में स्पोर्ट्स कोटा से 521 पदों पर भर्ती, 10वीं-12वीं पास कर सकेंगे आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने स्पोर्ट्स कोटा के तहत हेड कांस्टेबल (त्रष्ठ) और कांस्टेबल के 521 पदों पर भर्ती निकाली है। इसमें बैडमिंटन, बॉडी बिल्डिंग, बॉक्सिंग, फुटबॉल, हैंडबॉल, जूडो, कबड्डी, कराटे, शूटिंग, वुशु और योग समेत 22 खेल शामिल हैं।

हेड कांस्टेबल के 182 और कांस्टेबल के 339 पद हैं। हेड कांस्टेबल के लिए वेतन 25,500 से 81,100 रुपए तक है। वहीं, कांस्टेबल को 21,700 से 69,100 रुपए तक वेतन मिलेगा। उम्मीदवार की उम्र 1 अगस्त 2026 को 18 से 23 साल के बीच होनी चाहिए।

उम्मीदवार का जन्म 2 जनवरी 2003 से पहले और 1 जनवरी 2008 के बाद नहीं होना चाहिए। खिलाड़ियों को अधिकतम 5 साल की आयु सीमा में छूट मिलेगी। आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को नियमानुसार अतिरिक्त छूट मिलेगी। उम्मीदवारों का चयन पहचान जांच, दस्तावेज सत्यापन, शारीरिक मानक परीक्षा, स्पोर्ट्स ट्रायल, मेडिकल और रिव्यू मेडिकल परीक्षा के आधार पर होगा। भर्ती में लिखित परीक्षा नहीं होगी। सामान्य, OBC और EWS वर्ग के उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क 100 रुपए है। महिला, SC, ST और पूर्व सैनिक उम्मीदवारों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

अस्पताल की अव्यवस्था पर चीफ जस्टिस भड़के, अफसरों से मांगी रिपोर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जिला अस्पताल की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने नाराजगी जताई है। जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान कोर्ट कमिश्नर पलाश तिवारी की निरीक्षण रिपोर्ट पेश की गई। रिपोर्ट में अस्पताल की बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी कई कमियां सामने आईं। इस पर चीफ जस्टिस कृष्ण राम महापात्र ने शासन से पूछा कि इन व्यवस्थाओं को आखिर कब तक ठीक किया जाएगा। कोर्ट ने रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए शासन से कमियों को दूर करने के लिए उठाए जा रहे ठोस कदमों की जानकारी मांगी है।

कोर्ट के निर्देश पर कोर्ट कमिश्नर ने जिला अस्पताल का निरीक्षण किया था। रिपोर्ट के अनुसार लैब में

आवश्यक रीएजेंट और उपकरण उपलब्ध हैं। एचएलएल कंपनी के साथ टाई-अप के बाद नई और आधुनिक मशीनें भी लगाई गई हैं। इसके विपरीत पुराने अस्पताल भवन और मातृ-शिशु अस्पताल की दीवारों में सीपेज मिला। आपातकालीन वार्ड के पीछे पानी भरा था और वहां इस्तेमाल की गई सीरिंज का कचरा भी पड़ा मिला।

निरीक्षण में अधिकांश एसी और एग्जॉस्ट फैन बंद अथवा खराब पाए गए। मातृ-शिशु अस्पताल में एनेस्थीसिया विशेषज्ञों के दो पद रिक्त मिले। मरीजों के परिजनों के लिए बर्तन धोने या हाथ-मुंह धोने की अलग व्यवस्था नहीं थी। इसके कारण उन्हें शौचालय का इस्तेमाल करना पड़ रहा था। शौचालयों में गंदगी और दुर्गंध की स्थिति भी रिपोर्ट में दर्ज की गई।

इसी जनहित याचिका में तखतपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को दूसरी जगह स्थानांतरित करने का मुद्दा भी उठा। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जिला अस्पताल की रिपोर्ट में सामने आई कमियों को केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रखा जाए, बल्कि शासन ठोस कदम उठाकर व्यवस्थाओं में सुधार करें।

राहत की खबर : हड़ताल से पहले शनिवार-रविवार को खुले रहेंगे बैंक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय देशव्यापी बैंक हड़ताल से पहले 27 सितंबर, रविवार को देश के सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक खुले रहेंगे। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग की पहल पर भारतीय रिजर्व बैंक ने रविवार को बैंकिंग सेवाएं जारी रखने की विशेष मंजूरी दी है।

दरअसल, 26 और 27 सितंबर को सप्ताहांत की छुट्टियां हैं। इसके ठीक बाद 28 से 30 सितंबर तक बैंक कर्मचारी हड़ताल पर जाने का प्रस्ताव है। ऐसे में अगर 27 सितंबर को भी बैंक बंद रहते, तो ग्राहकों को लगातार पांच दिनों तक शाखाओं से जुड़ी सेवाओं में परेशानी हो सकती थी। इसी स्थिति को देखते हुए रविवार को बैंक खोलने का फैसला लिया गया है। बैंकों की शाखाएं सामान्य दिनों की तरह काम करेंगी।

सड़क हादसे में झारखंड की मंत्री दीपिका पांडेय की बेटी समेत चार की हुई मौत

जमशेदपुर। जमशेदपुर के सोनारी मरीन ड्राइव में गुरुवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे में ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय की छोटी बेटी तृषा समेत चार लोगों की मौत हो गई। हादसा सुबह करीब तीन बजे हुआ। घटना की सूचना मिलते ही मंत्री दीपिका पांडेय महगामा से जमशेदपुर के लिए रवाना हो गई हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गहरा दुख जताया है। दोनों ने शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगतों की आत्मा की शांति की कामना की।

जानकारी के अनुसार, हादसा गुरुवार सुबह करीब तीन बजे सोनारी मरीन ड्राइव के पास हुआ। बताया जा रहा है कि सभी लोग स्विफ्ट डिजायर कार में सवार होकर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक ट्रक ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में कार में सवार ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय की छोटी बेटी तृषा समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत होने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, मृतकों की पहचान और हादसे से जुड़ी अन्य विस्तृत जानकारी को लेकर पुलिस की ओर से आधिकारिक जानकारी का इंतजार है।

संपादकीय

खुद दवा लेने का रोग

घातक प्रभावों से बचने को जागरूकता बढ़ाएं

विकसित व पश्चिमी देशों में गंभीर रोगों और सर्जरी तक में कम से कम दवा देने की नीति का सख्ती से पालन किया जाता है। इसके उलट हमारे देश में खांसी-जुकाम व सामान्य बुखार में भी पेनकिलर्स और एंटीबायोटिक्स का जमकर इस्तेमाल किया जाता है। हम मेडिकल स्टोरों से दवा खरीद लाते हैं और खुद ही चिकित्सक बन जाते हैं। यही वजह है कि एंटीबायोटिक्स के अंधाधुंध इस्तेमाल के कारण तमाम रोगियों पर ये दवाइयां कालांतर असर नहीं करती हैं। जो एक गंभीर चिकित्सीय खतरों की ओर इशारा करती है। ऐसे में दर्द कम करने वाली दवाओं यानी पेनकिलर्स और एंटीबायोटिक्स के अंधाधुंध इस्तेमाल को रोकने के लिये सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन की हालिया सलाह, पब्लिक हेल्थ संकट की गंभीरता को ही दर्शाती है। यह विडंबना ही है कि जिन दवाओं का इस्तेमाल बेहद जरूरी होने तथा डॉक्टर की सलाह पर होना चाहिए, उन्हें हम अक्सर बचाव के तौर पर या मामूली संक्रमण के लिये भी लेने लगते हैं। दरअसल, हमारे शरीर का जैविक सुरक्षातंत्र खासा मजबूत होता है, जो मामूली संक्रमण व बीमारियों से खुद ही निबट सकता है। लेकिन उसकी प्रक्रिया कुदरती तौर पर धीमी होती है। यह बेहद चिंता की बात है कि एंटीबायोटिक्स के जरूरत से ज्यादा और गलत इस्तेमाल की प्रवृत्ति ने देश को ग्लोबल एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस संकट के केंद्र में ला खड़ा किया है। इस संकट की एक बड़ी वजह यह भी है कि इन दवाओं के दुरुपयोग को लेकर आम लोगों की जानकारी बेहद कम है। जिसका लाभ आधी-अधूरी डिग्रियों वाले नीम-हकीम उठाते हैं और जल्दी ठीक करने का दावा करके मरीजों से कमाई करते हैं। लोग इस बात से वाकिफ नहीं होते कि इन दवाओं के बुरे असर यानी दवा के विपरीत रिएक्शन से किडनी आदि की दिक्कतें पैदा हो सकती हैं। इसके अलावा हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर अधिक दवाइयां लेने का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

> “ दर्द कम करने वाली दवाओं यानी पेनकिलर्स और एंटीबायोटिक्स के अंधाधुंध इस्तेमाल को रोकने के लिये सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन की हालिया सलाह, पब्लिक हेल्थ संकट की गंभीरता को ही दर्शाती है। यह विडंबना ही है कि जिन दवाओं का इस्तेमाल बेहद जरूरी होने तथा डॉक्टर की सलाह पर होना चाहिए, उन्हें हम अक्सर बचाव के तौर पर या मामूली संक्रमण के लिये भी लेने लगते हैं।

दरअसल, बिना चिकित्सक के परामर्श के दवाइयों की सहज उपलब्धता तथा लोगों में बढ़ती सेल्फ-मेडिकेशन की प्रवृत्ति ने भी इस संकट को बढ़ाया है। इस संकट का एक पहलू यह भी है कि कुछ चिकित्सकों में भी जरूरत से ज्यादा दवाइयां लिखने और ज्यादा पैसे वसूलने की प्रवृत्ति पायी जाती है। ऐसी गलत प्रथाओं ने मेडिकल सिस्टम के प्रति लोगों में अविश्वास भी पैदा किया है। वहीं गरीबी के चलते पैसे की तंगी, सांस्कृतिक मान्यताओं और केमिस्टों के अनौपचारिक डॉक्टर के तौर पर बेरोकटोक काम करने से भी इस समस्या को बढ़ावा मिला है। अकसर यह महसूस किया जाता है कि देश की पूरी हेल्थकेयर शृंखला में पेशागत आचार-संहिता की नितांत कमी है। वहीं दूसरी ओर नियामक संस्थाओं की सख्त निगरानी पूरी तरह नदारद नजर आती है। सही मायने में प्रभावी बदलावों के लिये प्रोटोकॉल में कई स्तरों पर सुधार की जरूरत होगी। जिसमें सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण पंजीकृत मेडिकल प्रैक्टिशनर्स का व्यवहार नैतिक और जिम्मेदार होना है। निश्चय ही आज के समय में यह बेहद गंभीर चुनौती है क्योंकि इस वर्ग में अंधा मुनाफा कमाने की प्रवृत्ति लगातार अनियंत्रित होती नजर आ रही है। जिसके चलते कमजोर वर्ग से आने वाले मरीज खुद ही बीमारी का अंदाजा लगाने और डॉक्टर की सलाह के बिना इलाज करने की दिशा में बढ़ जाते हैं। जब तक रोग बेहद गंभीर स्थिति में न पहुंच जाए, तब तक मरीज डॉक्टर के पास जाने से बचने की कोशिश करते हैं। वास्तव में किसी रोगी के उपचार के लिये लिखी गई दवाइयों की सख्ती से जांच करने की जरूरत है। लेकिन सिर्फ फार्मेसी में सीसीटीवी कैमरे लगाने से काम नहीं चलेगा। वैसे यह भी हकीकत है कि इस बाबत सख्त गाइडलाइंस जारी करने पर, इससे बचाव के चक्कर में दवाइयों की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। वक्त की मांग है कि नागरिकों को सेल्फ-मेडिकेशन और एंटीबायोटिक्स रेजिस्टेंस के खतरों के बारे में जागरूक करने के लिये देशव्यापी अभियान चलाया जाए। हालांकि, रातों-रात ढांचागत कमियां दूर न होंगी और आदतें बदलने में समय लगेगा। लेकिन हेल्थकेयर व फार्मास्युटिकल सेक्टर को भी मुनाफे के बजाय मरीजों के हितों को प्राथमिकता देनी होगी।

राजनीति में वार-प्रतिवार का अस्त्र न बने मिमिक्री

विश्वनाथ सचदेव

राजनीति की दृष्टि से इस मिमिक्री-प्रकरण का भले ही कुछ भी अर्थ हो, पर इसका एक सीधा-सा अर्थ यह भी है कि मिमिक्री ने हमारी राजनीति को एक घटियापन से जोड़ दिया है। वैसे भी राजनीति को 'शैतानों की अंतिम शरणस्थली' कहा गया है, पर राजनीतिक विरोधियों पर इस तरह के घटिया प्रहार हमारी राजनीति के ओछेपन को ही उजागर करते हैं।

राजनीति की दुनिया की एक विवशता या विशेषता यह है कि उसमें किसी को अपना कहा- किया कभी गलत नहीं लगता, और यदि यही सब विरोधी करे तो वह कभी सही नहीं माना जाता। इसका ताज़ा उदाहरण हाल ही में इंदौर में दिखा जब लोकसभा में विपक्ष के नेता द्वारा चलाये जा रहे अभियान 'छात्रों की गूंज' में एक मसखरे को मंच पर बुलाया गया। मसखरा शब्द में कुछ हल्कापन सुनाई देता है, शायद इसीलिए आज की पीढ़ी इसे अंग्रेज़ी में 'स्टेण्ड अप कॉमेडियन' कहना पसंद करती है। नेता विपक्ष के उस कार्यक्रम में पता नहीं क्या सोचकर एक कामेडियन को सम्मिलित करना ज़रूरी समझा गया था, पर जो हुआ उसे देखकर अच्छा तो नहीं लगा। राजनेताओं की मिमिक्री अथवा नकल उतारना एक स्वाभाविक-सी बात मानी जाती है। इस मिमिक्री को देखने-सुनने वाले अक्सर इस पर हंस लेते हैं, और बात वहीं समाप्त हो जाती है। यह सही है कि राजनीति में मिमिक्री का उपयोग सिर्फ हंसने-हंसाने के लिए नहीं होता। उद्देश्य अपने विरोधी को नीचा दिखाना ही होता है, इसलिए जिसका मज़ाक उड़ाया जाता है, वह, और उसके समर्थक उसे सही नहीं मानते और मज़ाक उड़ाने वालों को वह कभी गलत नहीं लगता। इसीलिए जब इंदौर में राहुल गांधी की सभा में एक मसखरे को मंच पर बुलाकर प्रधानमंत्री की मिमिक्री करायी गयी तो इसे पसंद-नापसंद करने वाले साफ-साफ बंटे हुए दिखाई दे रहे हैं।

होना तो यह चाहिए था कि मिमिक्री के इस प्रकरण को हंस कर भुला दिया जाता, पर मामला राजनीतिक नफे-नुकसान का है, इसलिए बात बढ़ गयी है। भाजपा वालों को यह लग रहा है कि प्रधानमंत्री की छवि को खराब करने के लिए विपक्ष ने यह 'घटिया' चाल चली है, और कांग्रेस के समर्थक इसे अपना 'मास्टर स्ट्रोक' मान रहे हैं। हकीकत यह भी है कि दोनों पक्षों में एक होड़-सी लगी है एक-दूसरे को नीचा दिखाने की। राजनीति की दृष्टि से इस मिमिक्री-प्रकरण का भले ही कुछ भी अर्थ हो, पर इसका एक सीधा-सा अर्थ यह भी है कि मिमिक्री ने हमारी राजनीति को एक घटियापन से जोड़ दिया है। वैसे भी राजनीति को 'शैतानों की अंतिम शरणस्थली' कहा गया है, पर राजनीतिक विरोधियों पर इस तरह के घटिया प्रहार हमारी राजनीति के ओछेपन को ही उजागर करते हैं।

एक-दूसरे का मज़ाक उड़ाना हमेशा गलत नहीं होता, पर जिस तरह के वार-प्रतिवार हमारी राजनीति में दिखने लगे हैं, उनके घटियापन को किसी भी तरह के बचाव से छिपाया नहीं जा सकता। इस संदर्भ में हमारे छुटभैया राजनेताओं से लेकर बड़े से बड़े राजनेता का दामन भी मैला दिखाई देता है। इंदौर के 'छात्रों की गूंज' के कार्यक्रम में मसखरे को मंच पर बुलाकर इस मैलेपन को ही उजागर किया गया है।

बहरहाल, राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी का यह 'छात्रों की गूंज' वाला अभियान अभी जड़ें पकड़ता नज़र आ रहा है। इंदौर का यह कार्यक्रम पांचवां था। भाजपा वाले भले ही इसे 'झूठ की गूंज' कहकर इसका महत्व कम करने की कोशिश करते दिखाई दें, पर जिस तरह युवा इस कार्यक्रम से जुड़ रहे हैं, वह यह अवश्य बताता है कि हमारी जेन-ज़ी वाली पीढ़ी इस अभियान में अपनी आवाज़ खोज रही है। देश का आज का युवा हमारी राजनीति को आकार देने में अपनी सक्रिय और सार्थक भूमिका खोज ही नहीं रहा, निभा भी रहा है।

यह एक गंभीर प्रयास है और कांग्रेस पार्टी को उसे इसी रूप में देखना-समझना चाहिए। मिमिक्री जैसी कोशिशें तालियां तो बजवा सकती हैं, जैसा कि इंदौर वाले कार्यक्रम में हुआ, पर यह बात अपने आप में कम महत्वपूर्ण नहीं है कि इसी मिमिक्री के चलते वह सब कहीं खो गया जो राहुल गांधी ने कहा, अथवा कहना चाह रहे थे। सवाल सिर्फ एक राहुल गांधी का नहीं है, जब भी जिस नेता ने ऐसी कोशिश की है, उसे तालियां तो मिली हैं, कभी-कभी लोगों ने ऐसी बातों को याद भी रखा है, पर अपनी बात श्रोताओं तक पहुंचाने का नेता का प्रयास कहीं न कहीं असफल ही हुआ है। राहुल गांधी इस गूंज वाले कार्यक्रम में बहुत गंभीरता के साथ युवाओं से जुड़े मुद्दे उठा रहे हैं। शिक्षा, बेरोज़गारी जैसे गंभीर विषयों के माध्यम से वे देश की युवा-शक्ति को अपने साथ जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। इस अभियान के अब तक के परिणाम बता रहे हैं कि युवा इन प्रयासों में अपने सुखद भविष्य की आहट सुन रहे हैं। ऐसे में यदि विरोधियों की मिमिक्री से युवाओं का ध्यान बंटता है तो यह एक चिंतनीय विषय होना चाहिए। विदेशी नेताओं से प्रधानमंत्री कैसे मिलते हैं, यह हल्के-फुल्के मज़ाक का विषय तो हो सकता है, पर यदि कोई इसके सहारे राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश करता है तो उसे नासमझी ही कहा जायेगा।

फिर, यह भी नहीं भुलाया जाना चाहिए कि भाजपा का नेतृत्व, हमारे प्रधानमंत्रीजी भी, ऐसी नासमझियों का लाभ उठाना अच्छी तरह जानते हैं। इंदौर वाली इस सभा में मिमिक्री करने वाले ने प्रधानमंत्री द्वारा एक महिला को कुर्सी दिये जाने की बात का हवाला देते हुए सिर्फ इतना ही कहा था कि 'माताजी को कुर्सी दीजिए'। इस बात को जिस मज़ाकिया अंदाज में दोहराया गया, उसे कांग्रेस-विरोधियों ने तत्काल लपक लिया और बड़े पैमाने पर यह प्रचार किया जा रहा है कि उस मंच से प्रधानमंत्री की माताजी का अपमान किया गया। अब स्थिति यह बन गयी है कि उस सभा में राहुल गांधी ने शिक्षा, बेरोजगारी और स्वास्थ्य आदि गंभीर मुद्दों पर जो कुछ महत्वपूर्ण कहा, वह तो जैसे भुला दिया गया है, और एक मसखरे का कथन हवा में गूंज रहा है! ऐसी स्थिति का बनना राजनीतिक नासमझी का ही एक उदाहरण माना जाना जायेगा। यह विडम्बना ही है कि विपक्ष द्वारा उठाये जा रहे गंभीर मुद्दों पर अपनी बात रखने के बजाय भाजपा के नेता मिमिक्री को कार्यक्रम का हिस्सा बनाने पर सवालिया निशान लगा रहे हैं।

यह मौका उन्हें मिला नहीं, दिया गया है, और वोट की राजनीति में इस तरह के मौके देना किसी 'सेल्फ गोल' से कम नहीं होता। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने भी कहा है कि 'राहुल गांधी कब इस बात पर गौर करेंगे कि मिमिक्री मनोरंजन तो दे सकती है, लेकिन अगर देश को आगे बढ़ना है और हमें छात्रों के आगे बढ़ने के बारे में बात करनी है तो नीति, कड़ी मेहनत और अवसरों पर चर्चा होनी चाहिए।' यह 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के बारे में किसी एक व्यक्ति की टिप्पणी मात्र नहीं है, इस आशय की प्रतिक्रियाएं लगातार सामने आ रही हैं। हमने देखा है कि क्रिकेट के मैच में कोई एक चूक, सारे खेल का पासा पलट देती है। कुछ वैसा ही राजनीति में भी होता है। कोई एक बात, कोई एक वाक्य, कोई एक गलत दांव चुनाव के परिणाम को पलटने की क्षमता रखता है। हमारे राजनेताओं को, और राजनीतिक दलों को इस बात को समझना होगा—खास तौर पर कांग्रेस को जो पहले भी कई बार अपनी किसी एक चूक का शिकार हो चुकी है।

जहां तक मिमिक्री का सवाल है, उसे भी एक सकारात्मक दृष्टि से देखे जाने की आवश्यकता है। मिमिक्री कुछ-कुछ कार्टून जैसी होती है। कार्टून कुछ रेखाओं के माध्यम से बहुत कुछ कहने की कला का नाम है और मिमिक्री कुछ शब्दों के माध्यम से किसी की चूक की ओर इशारा करने का। दोनों की प्रकृति एक जैसी ही है। रेखाओं और शब्दों की ताकत की अवहेलना नहीं होनी चाहिए, और न ही इनका दुरुपयोग होना चाहिए। दोनों ही स्थितियों में शालीनता की अपेक्षा की जाती है। कार्टूनिस्ट शंकर से पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने कहा था, 'शंकर, मुझे भी मत बख्शना'। यह छोटी-सी घटना बड़ी बात बताती है। और वह बड़ी बात यह है कि आलोचना या टिप्पणी चाहे कैसी भी हो, मर्यादा में होनी चाहिए। जीवन में मज़ाक का अपना स्थान है। जब कोई प्रधानमंत्री किसी कार्टूनिस्ट से यह कहता है कि वह उसे भी अपनी टिप्पणी का शिकार बना सकता है तो इसके पीछे यह भाव भी है कि वह कार्टून बनाने वाले की ईमानदारी में विश्वास करता है। राजनीति में भी ऐसी ही पारस्परिक ईमानदारी की आवश्यकता है। परस्पर सम्मान की भी। बशीर बद्र ने कहा था—'दुश्मनी जम कर करो, लेकिन यह गुंजाइश रहे/ फिर कभी हम दोस्त बन जाएं तो शर्मिंदा न हों।' यह बात हम सब पर लागू होती है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

नदी के प्राकृतिक प्रवाह के साथ सामंजस्य बनाएं

पंकज चतुर्वेदी

वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक तकनीक, भारत-नेपाल सहयोग और स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी को एक साथ जोड़कर ही बिहार में कोसी की बाढ़ से होने वाली तबाही को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

सहरसा जिले के सिरवार सहित भागलपुर, सुपौल, मधेपुरा और कटिहार के कई गांव हर वर्ष कोसी की बाढ़ और कटाव से प्रभावित होते हैं। दर्जनों घर नदी में समा जाते हैं और बड़ी मात्रा में भूमि बह जाती है। हिमालय की ऊंची पर्वत-शृंखलाओं से निकलने वाली तीन धाराओं—सुन कोसी, अरुण कोसी और तमूर कोसी—के मिलन से बनी कोसी जब उत्तर बिहार के मैदानी इलाकों में प्रवेश करती है, तो 'बिहार का शोक' बन जाती है।

पिछले लगभग ढाई सौ वर्षों में इस नदी ने अपना मार्ग करीब 120 किलोमीटर तक बदल लिया है। इसकी वार्षिक बाढ़ लगभग 21 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को प्रभावित करती है, जिससे लाखों परिवारों की खेती-बाड़ी, घर और आजीविका तबाह हो जाती है। अकेले बिहार में ही देश के कुल बाढ़-प्रभावित क्षेत्र का लगभग 16.5 प्रतिशत और बाढ़ से प्रभावित आबादी का करीब 22 प्रतिशत हिस्सा है।

यहां केवल आर्थिक क्षति की बात नहीं है। हर बाढ़ के साथ हजारों परिवार बेघर होते हैं। खेतों में जमा गाद कई बार लंबे समय तक खेती को प्रभावित करती है, बीमारियां फैलती हैं और बच्चों की पढ़ाई तथा स्वास्थ्य पर भी दीर्घकालिक असर पड़ता है।

बाढ़ की समस्या को बढ़ाने वाले कारणों में हिमालयी पर्वत-शृंखला में तेजी से हो रहे पर्यावरणीय बदलाव भी शामिल हैं। वैश्विक तापमान में लगातार वृद्धि के कारण ऊंचाई वाले क्षेत्रों में स्थित हिमनद यानी ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। इस प्रक्रिया से पहाड़ों में नई झीलें बन रही हैं और पुरानी झीलों का आकार भी असामान्य रूप से बढ़ रहा है। ग्लेशियरों के पिघलने से जहां गर्मियों में अचानक जलस्तर बढ़ सकता है, वहीं मानसून के दौरान असामान्य और केंद्रित वर्षा भी नदी के जलस्तर में तेज उतार-चढ़ाव का कारण बनती है। पहले जो वर्षा कई दिनों में फैलकर होती थी, अब कई बार वही पानी कुछ ही घंटों में बरस जाता है। इससे नदी को अतिरिक्त जल को संभालने का पर्याप्त समय नहीं मिल पाता।

हिमालय से बहकर आने वाली भारी मात्रा में गाद नदी की तली में लगातार जमा होती जा रही है। इससे नदी का तल धीरे-धीरे ऊंचा उठ रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार,

गाद लाना और अपना मार्ग बदलना कोसी नदी की स्वाभाविक प्रवृत्ति है। उत्तर बिहार का बड़ा भू-भाग भी इसी गाद के जमाव से निर्मित हुआ है। सत्तर के दशक तक किसान इस गाद के लाभ को समझते थे, क्योंकि इससे खेतों की उर्वरता बढ़ती थी। लेकिन बाढ़ नियंत्रण के लिए बनाए गए तटबंधों ने नदी को एक संकरे दायरे में सीमित कर दिया। परिणामस्वरूप गाद प्राकृतिक रूप से फैलने के बजाय नदी की तलहटी में ही जमा होती चली गई। इसका परिणाम यह हुआ कि कई स्थानों पर नदी का तल आसपास की जमीन से भी ऊंचा हो गया है। ऐसे में जब तटबंध कमजोर पड़ते हैं या टूट जाते हैं, तो पानी तेजी से आसपास की बस्तियों में प्रवेश कर जाता है और बड़े पैमाने पर तबाही मचाता है।

इस संकट से निपटने के लिए दीर्घकालिक और बहुआयामी रणनीति अपनाने की आवश्यकता है। हिमालयी क्षेत्र की जोखिम वाली झीलों की निरंतर वैज्ञानिक निगरानी की जानी चाहिए। उपग्रह-आधारित तकनीक और स्वचालित सेंसरों की मदद से इन झीलों के जलस्तर पर नजर रखी जा सकती है। खतरा बढ़ने पर नीचे बसे गांवों को समय रहते चेतावनी दी जा सकती है। नेपाल और भारत के बीच नदी के जलस्तर तथा मौसम संबंधी वास्तविक समय की जानकारी साझा करने की व्यवस्था को भी मजबूत करना जरूरी है। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू तटबंधों के रखरखाव और उनके डिजाइन में सुधार से जुड़ा है। पुराने और कमजोर तटबंधों की नियमित मरम्मत के साथ उन्हें आधुनिक इंजीनियरिंग मानकों के अनुरूप मजबूत किया जाना चाहिए। इसके अलावा, कुछ स्थानों पर तटबंधों के बीच की दूरी बढ़ाकर नदी को अधिक प्राकृतिक क्षेत्र उपलब्ध कराने पर भी विचार किया जा सकता है, ताकि गाद को स्वाभाविक रूप से फैलने की जगह मिले और नदी का तल लगातार ऊंचा न उठे। इसका उपयोग खेती तथा निर्माण कार्यों में किया जा सकता है।

स्थानीय स्तर पर बाढ़-रोधी या बाढ़ के अनुकूल फसलों और कृषि-पद्धतियों को अपनाना तथा नावों और अन्य आपातकालीन संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है। समुदाय-आधारित आपदा प्रबंधन समितियों को प्रशिक्षित कर स्थानीय लोगों को आपदा के समय तत्काल प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाया जा सकता है।

नीति-निर्माताओं को नदी को पूरी तरह नियंत्रित करने के बजाय उसके प्राकृतिक स्वभाव के साथ सामंजस्य स्थापित करने की दिशा में विचार करना होगा। वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक तकनीक, भारत-नेपाल सहयोग और स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी को एक साथ जोड़कर ही बिहार में कोसी की बाढ़ से होने वाली तबाही को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

संशोधित ईपीएफसीमा और सामाजिक सुरक्षा तंत्र का निर्माण, कदम-दर-कदम आगे बढ़ते हुए

वी. अनंत नागेश्वरन् और श्रुति सिंह

विश्वकर्मा जयंती पर, कामगारों और शिल्पकारों का सम्मान करने वाले इस पर्व के अवसर पर सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के लिए वेतन सीमा को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये प्रति माह करने के बहुत समय से लंबित निर्णय की घोषणा की। कोई पूछ सकता है कि सीमा में 10,000 रुपये की वृद्धि से आखिर क्या बदलाव आएगा? इस संशोधन की आवश्यकता क्यों है और इसका कर्मचारी या नियोक्ता पर क्या प्रभाव पड़ेगा? तो आइए, मूल बातों से शुरुआत करते हैं।

25,000 रुपये की यह वैधानिक वेतन सीमा अनिवार्य ईपीएफ, कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) और कर्मचारी जमा-लिंक्ड बीमा (ईडीएलआई) कवरेज के लिए सीमा का काम करती है। ये तीनों योजनाएं भारत में वेतनभोगी कामगारों के लिए सामाजिक सुरक्षा तंत्र के मूल आधार हैं: सेवानिवृत्ति/आपातकालीन निधि; नियोक्ता के अंशदान से वित्तपोषित पेंशन निधि, जिससे सेवानिवृत्ति के बाद भुगतान किया जाता है; और जीवन बीमा, जिसे नियोक्ता के अंशदान से ही वित्तपोषित किया जाता है, जिससे कर्मचारी की मृत्यु की स्थिति में उसके परिवार को सहायता मिल सके। पूर्णतः उचित यही है कि सामाजिक सुरक्षा को साल 2014 से स्थिर किसी संख्या पर आधारित न रखा जाए, जबकि इस अवधि में वेतन, न्यूनतम मजदूरी और जीवन-यापन की लागत लगातार बढ़ती रही है।

पिछली वेतन सीमा के तहत, 15,000 रुपये से अधिक मासिक वेतन पर नौकरी शुरू करने वाला कोई भी नया कर्मचारी अनिवार्य ईपीएफ कवरेज से बाहर हो जाता था, ईपीएस के लिए पात्र नहीं होता था और ईडीएलआई के संरक्षण से भी वंचित रहता था। किसी मौजूदा कर्मचारी का वेतन समय के साथ इस सीमा से अधिक हो जाने पर कवरेज समाप्त नहीं होती थी, लेकिन ईपीएस के तहत पेंशन योग्य वेतन 15,000 रुपये पर ही सीमित रहता था। कोई यह तर्क दे सकता है कि अधिक वेतन पाने वाले कर्मचारी इसके बजाय स्वैच्छिक कवरेज का विकल्प चुन सकते हैं। इस तर्क में समस्या यह है कि सीमा से अधिक वेतन पर स्वैच्छिक नामांकन के लिए संयुक्त विकल्प के तहत नियोक्ता की सहमति आवश्यक होती है, जिससे यह विकल्प सुनिश्चित अधिकार के बजाय सौदेबाज़ी का विषय बन जाता है। बढ़ी हुई वेतन सीमा के साथ, यह कवरेज सौदेबाज़ी का विषय न रहकर अधिकार बन जाएगी।

बढ़ी हुई वेतन सीमा कामगारों से जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान तो नहीं करती, लेकिन यह औपचारिक सामाजिक सुरक्षा तंत्र को थोड़ा अधिक न्यायसंगत और थोड़ा व्यापक जरूर बनाती है। 10,000 रुपये की वृद्धि भले ही मामूली लगती हो, लेकिन अब सामाजिक सुरक्षा तंत्र के दायरे में आने वाले अतिरिक्त 51 लाख कामगारों की संख्या मामूली नहीं है। और अधिकांश अधिकारों के विपरीत, इस अधिकार का लाभ लेने के लिए कामगार को अपनी ओर से कुछ भी करने की आवश्यकता नहीं है।

मनुष्य अपने भविष्य की कल्पना करने और उसके लिए तैयारी करने में खास अच्छे नहीं होते। 65 वर्ष की उम्र के अपने भावी स्वरूप के लिए कोई बजट नहीं बनाता। हम अक्सर उस छोटे लाभ को चुनते हैं जो जल्दी मिल जाए, बजाय उस बड़े लाभ के जो देर से मिले। व्यवहार अर्थशास्त्र में इसे 'हाइपरबोलिक डिस्काउंटिंग' कहा जाता है। परिणामस्वरूप, सीमित आय में तत्काल उपभोग की जरूरतों को पूरा करने की तुलना में भविष्य में अपने लिए या किसी भावी परिस्थिति के लिए बचत करना और योजना बनाना अक्सर अधिक कठिन होता है। यही कारण है कि ईपीएफओ द्वारा संचालित अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा अंशदान जैसी व्यवस्थाओं की रूपरेखा महत्वपूर्ण है। यह बचत के लिए कामगार की इच्छा या इच्छाशक्ति पर निर्भर किए बिना काम करती है। आय के कामगार के खाते में पहुंचने से पहले ही पेंशन के लिए अंशदान अलग रख दिया जाता है—जो पैसा कभी दिखाई ही नहीं देता, उसे खर्च करना संभव नहीं होता। और धीरे-धीरे, हर महीने वेतन का एक छोटा हिस्सा अलग रखा जाता है, जिससे सेवानिवृत्ति निधि तैयार होती है, जिसका उपयोग आपातकाल में भी किया जा सकता है, साथ ही जीवन बीमा का कवरेज भी मिलता है—वह भी आपके अपनी ओर से बिना कोई अतिरिक्त प्रयास किए।

हालांकि, इस संशोधन के साथ नियोक्ताओं के लिए एक लागत भी जुड़ी हुई है। अनिवार्य वेतन सीमा अब बढ़ाकर 25,000 रुपये किए जाने के साथ, नियोक्ताओं को काफी अधिक संख्या में कर्मचारियों को वैधानिक ईपीएफ कवरेज प्रदान करनी होगी और उनके मासिक अंशदान संबंधी दायित्व भी बढ़ जाएंगे।

उदाहरण के लिए, 22,000 रुपये प्रति माह कमाने वाला ऐसा कर्मचारी, जो पहले अनिवार्य कवरेज से बाहर था, अब वैधानिक रूप से ईपीएफ कवरेज के दायरे में आएगा और नियोक्ता के लिए इस कर्मचारी को ईपीएफ कवरेज प्रदान करना अनिवार्य होगा। अब नियोक्ता को वेतन का 12 प्रतिशत अंशदान करना होगा, जो ईपीएस पेंशन योजना और कर्मचारी के अपने ईपीएफ खाते के बीच विभाजित होगा। यह राशि प्रति कर्मचारी प्रति माह 2,640 रुपये या वार्षिक 31,680 रुपये होगी। ऐसे 20 कर्मचारियों के मामले में, यह अतिरिक्त पेरोल लागत के रूप में प्रति वर्ष 6,33,600 रुपये होगी। इसके अलावा, ईडीएलआई बीमा अंशदान भी होगा, जो राशि में भले ही छोटा है, लेकिन अब इसकी गणना भी अधिक वेतन आधार पर की जाएगी। नियुक्ति संबंधी निर्णय लेते समय यह नियोक्ताओं के लिए एक वास्तविक लागत है।

अधिक लागत कंपनी के लिए एक स्पष्ट निष्कर्ष प्रतीत होती है, लेकिन यह केवल प्रारंभिक प्रभाव है और रोजगार बाजार इससे कहीं अधिक जटिल है। अधिक ईपीएफ कवरेज भर्ती के लिए एक सकारात्मक संकेत के रूप में काम करता है, जिससे अधिक कुशल और अधिक कार्य-क्षमता वाले कामगार आकर्षित होते हैं, क्योंकि नए कर्मचारी किसी नौकरी का मूल्यांकन करते समय केवल मासिक वेतन को ही ध्यान में नहीं रखते। यह कवरेज कर्मचारियों को लंबे समय तक बनाए रखने में भी सहायक हो सकती है। पेंशन और बीमा लाभ वाला कामगार संभवतः अधिक समय तक काम पर बना रहेगा और नौकरी की शुरुआत थोड़ी अधिक सुरक्षा के साथ करेगा। दूरदर्शी नियोक्ता पहले से ही इसे समझते हैं और अच्छी प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए स्वैच्छिक कवरेज प्रदान करते हैं।

सामाजिक सुरक्षा की अवधारणा यह है कि यह ट्रैम्पोलीन की तरह न केवल आपको संभालती है, बल्कि फिर से उछलकर आगे बढ़ने में भी सक्षम बनाती है। इस व्यवस्था का मूल उद्देश्य कामगारों को ऐसा कोष उपलब्ध कराना है, जिससे वे आपातकाल के समय या सेवानिवृत्ति के बाद आवश्यकता पड़ने पर धन प्राप्त कर सकें, जिससे कोई अस्थायी संकट जीवनभर की कठिनाई का रूप न ले और उन्हें ऋण-जाल में न फंसाए।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जैसी पहलें, जिन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक किफायती और सुलभ बनाया है, इस सुरक्षा तंत्र को और मज़बूत बनाती हैं। बदलते रोज़गार स्व रूप हेतु तैयारी करने के लिए मजबूत उद्योग संपर्कों के साथ, कौशल उन्नयन, पुनःकौशल विकास और नव कौशल विकास के लिए कौशल विकास पारितंत्र का निर्माण किया जा रहा है। अटल पेंशन योजना (एपीवाई) अंशदायी पेंशन कवरेज को उन लोगों के लिए कम आय वर्ग तक और आगे बढ़ाती है, जो निवेश जोखिम उठाने और आर्थिक तथा बाजार वृद्धि के लाभों में भागीदारी के इच्छुक हैं। यह ट्रैम्पोलीन भी कदम दर कदम मज़बूत होता जा रहा है।

(वी. अनंत नागेश्वरन् भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार हैं)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें...

दुर्ग के तालाबों में नहीं होगा मूर्ति विसर्जन, शिवनाथ नदी में व्यवस्था

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार की अध्यक्षता एवं आयुक्त लीना कोसम की उपस्थिति में बुधवार को डाटा सेंटर में मेयर–इन–काउंसिल (एमआईसी) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगरोत्थान योजना, निर्माण कार्य, सड़क चौड़ीकरण, जलगृह एवं बाजार विभाग, निगम मद, व्यवस्थापन सहित शहर के विभिन्न विकास कार्यों से जुड़े प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। चर्चा के बाद विभिन्न प्रस्तावों को स्वीकृति एवं अनुमोदन के लिए आगे बढ़ाया गया। बैठक में महापौर द्वारा मंगाए गए सात बिंदुओं पर संबंधित विभागों ने जानकारी प्रस्तुत की। एमआईसी सदस्यों ने प्रस्तावों पर विचार–विमर्श कर आवश्यक निर्णय लिए। नगरोत्थान योजना के अंतर्गत शहर की बुनियादी अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए फिल्टर प्लांट, इंटेकवेल, उच्च स्तरीय जलागार के उन्नयन सहित नाला एवं सड़क निर्माण से संबंधित प्रस्तावों पर चर्चा हुई। फिल्टर प्लांट, इंटेकवेल एवं उच्च स्तरीय जलागार क्षेत्र के उन्नयन कार्य के लिए 303.70 लाख रुपये की स्वीकृति के विरुद्ध प्राप्त न्यूनतम दर को अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया गया। मेसर्स अग्रसेन ट्रेडर्स, कटघोरा द्वारा 2.45 प्रतिशत Below SOR दर प्रस्तुत की गई है। इसके आधार पर 2,88,28,454 रुपये प्लस जीएसटी की व्यय राशि की अनुशंसा की गई।

67वीं बार रक्तदान- आचार्य डॉ. अजय आर्य ने दिया मानवता का संदेश

दुर्ग। सुप्रसिद्ध लेखक, वैदिक विचारक, शिक्षक एवं समाजसेवी आचार्य डॉ. अजय आर्य ने 67वीं बार रक्तदान कर समाज को परोपकार और मानवता का प्रेरक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि रक्तदान केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद को जीवन देने का अवसर है। दुर्घटना, गंभीर बीमारी, प्रसव, शल्य चिकित्सा तथा आपात परिस्थितियों में समय पर रक्त उपलब्ध होना जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रक्त का निर्माण किसी कारखाने में नहीं होता, इसकी उपलब्धता स्वस्थ और पात्र रक्तदाताओं के सहयोग से ही संभव है। आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा, अनजाने लोगों की मदद करने का आनंद ही अलग है। रक्तदान करते समय यह पता नहीं होता कि हमारा रक्त किसके काम आएगा, लेकिन यह संतोष जरूर होता है कि हमारी कुछ बूंदें किसी परिवार की मुस्कान वापस ला सकती हैं। रक्तदान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता किसी विशेष अवसर तक सीमित नहीं है। कई बार विद्यालय की छुट्टी के तुरंत बाद वे रायपुर के लिए रवाना हुए और जरूरतमंद मरीज के लिए रक्तदान किया। रक्तदान के बाद जरूरतमंद लोगों से बातचीत में जब उनकी आर्थिक परेशानी का पता चला तो कई बार वे स्वयं उन्हें रेस्टोरेंट ले गए, चाय–कॉफी और भोजन कराया तथा बिल का भुगतान किया। उनका मानना है कि रक्तदान के साथ मानवीय संवेदना भी जरूरी है।

फेडरेशन कप साइकिल पोलो प्रतियोगिता के लिए छत्तीसगढ़ टीम श्रीनगर रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 20वीं सीनियर पुरुष एवं 15वीं सीनियर महिला फेडरेशन कप साइकिल पोलो प्रतियोगिता का आयोजन 26 से 29 सितंबर 2026 तक श्रीनगर जम्मू–कश्मीर में भारतीय साइकिल पोलो महासंघ द्वारा किया जा रहा है जिसमें छत्तीसगढ़ की पुरुष एवं महिला टीम भाग लेने हेतु आज दुर्ग से रवाना हुई।

भारतीय साइकिल पोलो महासंघ के पूर्व संयुक्त सचिव विनायक राव चन्नावार, कोषाध्यक्ष तोशेन्द्र वर्मा एवं बीएसपी

साइकिल पोलो क्लब के अध्यक्ष परविंदर सिंह ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि उक्त प्रतियोगिता में भारतीय वायुसेना, भारतीय थल सेना एवं प्रादेशिक सेना सहित भारतवर्ष की शीर्ष 8 पुरुष एवं 8 महिला टीम भाग लेगी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ महिला टीम विगत 10 वर्षों से लगातार स्वर्ण पदक पर कब्जा बनाई हुई है एवं इस बार भी इस विजयक्रम को बनाए रखने के जज्बे से प्रतियोगिता भाग ले रही है।

छत्तीसगढ़ के पुरुष टीम में दुष्यंत बारले, विकास कुमार, रोहन तांडी, करन साह, पंकज सिन्हा, राहुल निर्मलकर, शुभम यादव एवं सौरभ दास मानिकपुरी कोच शशांक देशमुख एवं मैनेजर अभिषेक मिश्रा हैं वहीं महिला टीम में लक्ष्मी निर्मलकर, पूनम देवी, इसीता सिन्हा, रागनी निर्मलकर, निशा देवांगन, चंचल कश्यप, गुंजन साहू, सुमन साहू, कोच श्रीमती बीना मिश्रा एवं मैनेजर सुश्री आकांक्षा मिश्रा हैं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो संघ के अध्यक्ष डॉ रमेश श्रीवास्तव, भारतीय साइकिल पोलो महासंघ के पूर्व संयुक्त सचिव विनायक चन्नावार, बीएसपी साइक्लिंग क्लब के अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार बंछोर, बीएसपी साइकिल पोलो क्लब के अध्यक्ष परविंदर सिंह, दुर्ग जिला साइकलिंग संघ के सचिव देवप्रकाश वर्मा, साइकिल पोलो एसोसिएशन ऑफ दुर्ग डिस्ट्रिक्ट के सचिव शशांक देशमुख आदि ने टीम को शुभकामनाएं प्रेषित की।

नामांतरण-बंटवारा से लेकर डिजिटल फसल सर्वे तक कलेक्टर ने की कार्यों की समीक्षा

लंबित राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण पर कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला स्तरीय राजस्व समीक्षा बैठक कलेक्टर अभिजीत सिंह ने नामांतरण, फौती, बंटवारा, सीमांकन, धारणाधिकार, भूमि आवंटन और मुआवजा वितरण सहित विभिन्न राजस्व प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने लंबित मामलों के निराकरण में अनावश्यक देरी पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को समय–सीमा में कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने समय–सीमा से बाहर लंबित फौती नामांतरण और बंटवारा प्रकरणों की समीक्षा की। विभिन्न ग्राम पंचायतों में लंबित मामलों का नियमानुसार शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए गए। आवश्यक दस्तावेज और पटवारी प्रतिवेदन के बिना नामांतरण आदेश जारी किए जाने के मामले में संबंधित सचिवों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

बैंक में बंधक जमीनों से जुड़े बंटवारा और नामांतरण प्रकरणों में भी प्रक्रिया स्पष्ट करते हुए बैंक की अनापत्ति और आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी करने को

कहा। कलेक्टर ने कहा कि पात्र मामलों में वारिसों के नाम दर्ज करने में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। विवादित भूमि के मामलों को अविवादित प्रकरणों से अलग कर नियमानुसार विवादित पंजी में दर्ज करते हुए गुण–दोष के आधार पर सुनवाई पूरी करने को कहा गया।

स्वामित्व योजना के तहत तहसीलवार समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकार अभिलेखों के वितरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य एवं केन्द्र सरकार की योजनाओं से संबंधित कार्यों को निर्धारित समय–सीमा में पूर्ण करते हुए आगामी शिविरों में वितरण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर सिंह ने डिजिटल फसल सर्वेक्षण, एग्रीस्टैक पोर्टल तथा लंबित बकेट क्लेम प्रकरणों की भी समीक्षा की। उन्होंने डिजिटल फसल सर्वेक्षण का कार्य 30 सितंबर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। डीसीएस सर्वे कार्य की धीमी प्रगति वाले गांवों पर विशेष ध्यान देने को कहा। जिन गांवों में सर्वे कार्य तेजी से पूरा हो रहा है, वहां उपलब्ध सर्वेयर को कम प्रगति वाले गांवों में लगाने को कहा।

प्रत्येक गांव की सर्वे प्रगति का व्यवस्थित दैनिक रिकॉर्ड तैयार करने के निर्देश दिए गए। गांववार सूची में प्रत्येक दिन की प्रगति अलग–अलग दर्ज करने को कहा गया। सर्वे कार्य की प्रतिदिन नियमित मॉनिटरिंग करने को कहा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्वयं मौके पर जाकर कार्य की वास्तविक स्थिति की जांच करने और दैनिक प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में धमधा और पाटन क्षेत्र के लंबित धारणाधिकार प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। धमधा और पाटन के 7–7 सहित कुल 14 प्रकरणों में देरी पर संबंधित एसडीएम को तहसीलदार और पटवारियों के माध्यम से खसरा–बी 1 एवं भूमि स्वामित्व संबंधी रिकॉर्ड की जांच शीघ्र पूरी कराने एवं उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर जांच प्रक्रिया में अनावश्यक रूप से समय नहीं लगाने के निर्देश दिए।

कोटवारी भूमि विक्रय पर सिविल वाद दायर किए गए प्रकरणों की भी जानकारी ली। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती योगिता देवांगन, विरेन्द्र सिंह, हरवंश सिंह मिरी एवं सिल्ली थॉमस सहित सभी एसडीएम, तहसीलदार, अतिरिक्त तहसीलदार, नायब तहसीलदार, अधीक्षक भू–अभिलेख एवं सभी सहायक अधीक्षक भू–अभिलेख उपस्थित थे।

सेवा सेतु शिविर : पहले दिन 22 आवेदन हुए प्राप्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम। नगर निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र में सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा सेतु शिविर समस्या का समाधान आपके द्वार का आयोजन 23 सितंबर से 8 अक्टूबर 2026 तक किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को चंद्रशेखर आजाद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पंचशील नगर एवं गया बाई प्राथमिक शाला, गया नगर में दो स्थानों पर एक साथ सेवा सेतु शिविर आयोजित किया गया। दोनों शिविरों में कुल 12 वार्डों के नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ एवं समस्याओं के समाधान के लिए सुविधा उपलब्ध कराई गई।

शिविर के पहले दिन नागरिकों द्वारा विभिन्न सेवाओं से संबंधित कुल 22 आवेदन प्रस्तुत किए गए। इनमें जन्म प्रमाण पत्र के 8, विवाह प्रमाण पत्र के 16 तथा मृत्यु प्रमाण पत्र के 2 प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया गया। शिविर में पहुंचे नागरिकों की समस्याओं एवं आवेदनों को संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा मौके पर ही लिया गया तथा पात्र प्रकरणों के त्वरित निराकरण की कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने शिविर में

लगाए गए विभिन्न विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। आयोजित शिविर में वार्ड 56 बघेरा, वार्ड 01 नयापारा, वार्ड 02 राजीव नगर, वार्ड 03 मठपारा दक्षिण, वार्ड 04 मठपारा उत्तर, वार्ड 05 मरारपारा, वार्ड 06 ठेठवारपारा, वार्ड 33 चंडी मंदिर, वार्ड 09 विवेकानंद, वार्ड 32 ब्राह्मणपारा, वार्ड 57 उरला पूर्व एवं वार्ड 58 उरला पश्चिम के नागरिकों ने पहुंचकर अपनी समस्याओं एवं आवश्यकताओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। सेवा सेतु शिविर में नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, विद्युत विभाग, जलघर एवं पंजीयन काउंटर सहित अन्य विभागों के स्टॉल लगाए जा रहे हैं।

गणेश पंडालों में विधायक चंद्राकर ने की पूजा-अर्चना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने रिसाली क्षेत्र के विभिन्न गणेश पंडालों में पहुंचकर भगवान श्री गणेश की पूजा–अर्चना की और क्षेत्र की सुख–समृद्धि एवं नागरिकों के मंगलमय जीवन की कामना की। इस दौरान उन्होंने समिति के वरिष्ठजनों का सम्मान भी किया।

विधायक चंद्राकर वार्ड क्रमांक 28 शक्ति विहार, वीआईपी नगर स्थित प्रज्ञा जन कल्याण समिति तथा इस्पात नगर, रिसाली स्थित श्री गणेश मां दुर्गा पूजा पंडाल पहुंचे। यहां उन्होंने प्रथम पूज्य विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की विधिवत पूजा–अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

इस अवसर पर विधायक चंद्राकर ने कहा कि भगवान श्री गणेश ज्ञान, बुद्धि और शुभता के प्रतीक हैं। गणपति बप्पा की भक्ति और श्रद्धा से सजा यह पावन वातावरण सभी को आध्यात्मिक आनंद प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजन समाज में आपसी सद्भाव, एकता और संस्कारों को मजबूत करने का कार्य करते हैं।

कार्यक्रम के दौरान विधायक ने समिति के वरिष्ठजनों को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठजन हमारे समाज की नींव और अनुभव की अमूल्य धरोहर हैं। उनके आशीर्वाद और मार्गदर्शन से समाज एवं संगठन को मजबूती मिलती है। गणपति बप्पा के पावन दरबार में वरिष्ठजनों का सम्मान करना उनके लिए गौरव की बात है। इस अवसर पर वार्ड पार्षद डॉ. सीमा साहू, डॉ. सुनील साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष विष्णु पाठक, रामसेवक साहू, रिसाली भाजपा मंडल अध्यक्ष एकनाथ अनुपम साहू, राजू राकेश जंघेल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान-अमृत सरोवरों में गूंजेगा स्वच्छता का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। स्वच्छता को जनआंदोलन का स्वरूप देने, जलस्रोतों के संरक्षण और ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरणीय चेतना को मजबूत करने के उद्देश्य से जिले में 'स्वच्छता ही सेवा अभियान–2026' का आयोजन किया जा रहा है। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस अभियान के दौरान जिले के अमृत सरोवर स्थलों पर स्वच्छता, सामूहिक श्रमदान, जल संरक्षण, पौधरोपण और जनजागरूकता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

अभियान का मुख्य विषय स्वच्छता में जनभागीदारी, स्वच्छ भारत, विकसित भारत रखा गया है। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत सीईओ बजरंग कुमार दुबे के

निर्देशन में ग्राम पंचायत स्तर पर जनप्रतिनिधियों, स्व–सहायता समूहों, युवाओं, विद्यार्थियों और ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। अमृत सरोवरों को स्वच्छ, सुंदर और उपयोगी सामुदायिक स्थलों के रूप में विकसित करने के साथ इनके नियमित रखरखाव पर भी जोर दिया जाएगा। अभियान के दौरान अमृत सरोवरों के साथ उनके आसपास के क्षेत्रों, पहुंच मार्गों और सार्वजनिक स्थलों की साफ–सफाई के लिए सामूहिक श्रमदान किया जाएगा। जल निकायों के पुनर्जीवन और संरक्षण से जुड़ी जनभागीदारी आधारित गतिविधियां भी आयोजित होंगी। इसके माध्यम से ग्रामीणों में अपने गांव के जलस्रोतों के प्रति जिम्मेदारी और स्वामित्व की भावना को मजबूत किया जाएगा।

स्वच्छ किए गए अमृत सरोवर परिसरों एवं अन्य उपयुक्त स्थानों पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण किया जाएगा। जलस्रोतों के आसपास हरित क्षेत्र विकसित करने के साथ पौधों के संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और जलस्रोतों की सुरक्षा के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया जाएगा।

'स्वच्छ पाठशाला युवा फॉर स्वच्छता' पहल के अंतर्गत विद्यार्थियों और युवाओं को अभियान से जोड़ा जाएगा। स्वच्छता रैली, नुक्कड़ नाटक, पेंटिंग, निबंध एवं भाषण प्रतियोगिताओं सहित विभिन्न जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता, जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और पर्यावरण संरक्षण का संदेश गांव–गांव तक पहुंचाया जाएगा।

सेवा मेरा योगदान अंतर्गत तांदुला जल संसाधन संभाग दुर्ग की अभिनव पहल

शिवनाथ नदी के महमरा तट पर नदी संरक्षण, वृक्षारोपण एवं जल संसाधन प्रबंधन को लेकर समग्र अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शिवनाथ नदी के तटवर्ती पर्यावरण के संरक्षण, जल स्त्रोतों के प्रदूषण की रोकथाम, हरित आवरण के संवर्धन तथा जल संसाधनों के सतत एवं विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति सामुदायिक उत्तरदायित्व विकसित करने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत तांदुला जल संसाधन संभाग, दुर्ग द्वारा ग्राम महमरा स्थित शिवनाथ नदी तट पर स्वच्छता, वृक्षारोपण एवं जल संरक्षण का समन्वित अभियान संचालित किया गया। अभियान में नदी तट की स्वच्छता को ठोस अपशिष्ट नियंत्रण, तटवर्ती पारिस्थितिकी संरक्षण एवं जनभागीदारी से संबद्ध करते हुए व्यापक स्वरूप प्रदान किया गया।

अधीक्षण अभियंता सह कार्यपालन अभियंता आशुतोष सारस्वत के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में अनुविभागीय अधिकारी गौरव सिंह, रोहन शॉ एवं कुलेश्वर जोशी सहित विभागीय अधिकारियों एवं

कर्मचारियों द्वारा श्रमदान करते हुए नदी तट एवं समीपस्थ क्षेत्र से प्लास्टिक, पॉलीथिन एवं अन्य ठोस अपशिष्ट का निष्कासन किया गया। इस कार्यक्रम में नगर निगम दुर्ग के सभापति श्याम शर्मा, महेन्द्र लोढ़ा, राम चंद सेन, संजय अग्रवाल, लीलाधर पाल, कुलेश्वर साहू, जीतू महोबिया, तुलसी यादव उपस्थित रहे। इस पहल का उद्देश्य नदी में बाह्य अपशिष्ट के प्रवेश की रोकथाम के साथ जल स्त्रोत की पर्यावरणीय गुणवत्ता एवं तटवर्ती क्षेत्र की स्वच्छता के प्रति जन–जागरूकता को सुदृढ़ करना रहा।

अभियान के अंतर्गत नदी तट पर वृक्षारोपण भी किया गया। तटवर्ती हरित आवरण का संवर्धन मृदा अपरदन के नियंत्रण, सतही अपवाह के विनियमन, तटीय स्थायित्व तथा स्थानीय जैव–विविधता एवं पारिस्थितिक संतुलन के संरक्षण में सहायक है। इस दृष्टि से वृक्षारोपण को केवल पौधरोपण गतिविधि न मानकर नदी तट के पर्यावरणीय पुनसंवर्धन एवं दीर्घकालीन संरक्षण के प्रयास के रूप में लिया गया।

इस अवसर पर ग्रामीणों एवं स्थानीय नागरिकों को अवगत कराया गया कि नदी संरक्षण का दायरा केवल नदी की धारा एवं तट की स्वच्छता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जलागम क्षेत्र, वर्षाजल संरक्षण, सतही बहाव के नियमन, स्थानीय जल संचयन, भू–जल पुनर्भरण तथा जल उपयोग दक्षता से भी प्रत्यक्ष रूप से संबद्ध है। नागरिकों से नदी एवं अन्य जल स्त्रोंतों में प्लास्टिक, कचरा अथवा अपशिष्ट का निष्पादन नहीं करने, वर्षा जल के संरक्षण तथा जल के अनावश्यक अपव्यय को नियंत्रित करने का आह्वान किया गया।

अभियान के दौरान यह संदेश प्रमुखता से दिया गया कि जल संसाधनों का संरक्षण एक सतत सामुदायिक उत्तरदायित्व है, जिसमें शासन, विभागीय तंत्र एवं स्थानीय समुदाय की सहभागिता आवश्यक है। स्थानीय ग्रामीणों एवं नागरिकों ने स्वच्छता एवं वृक्षारोपण गतिविधियों में उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए नदी एवं जल स्त्रोतों के संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस प्रकार अभियान को एक दिवसीय गतिविधि के स्थान पर पर्यावरणीय संरक्षण, जल संसाधन प्रबंधन, जनभागीदारी एवं दीर्घकालीन जल सुरक्षा से जोड़ने का प्रयास किया गया।

तांदुला जल संसाधन संभाग, दुर्ग का स्पष्ट संदेश है कि जल संरक्षण केवल जल की बचत नहीं, बल्कि जल स्त्रोतों को प्रदूषण से सुरक्षित रखना, नदी तट एवं जलागम क्षेत्र की पारिस्थितिक संरचना का संरक्षण, हरित आवरण का संवर्धन, वर्षाजल का समुचित संरक्षण तथा उपलब्ध जल का दक्ष एवं सतत उपयोग सुनिश्चित करने की समग्र प्रक्रिया है। वर्तमान में संरक्षित जल संसाधन एवं पर्यावरणीय संपदा ही भविष्य की जल सुरक्षा की आधारशिला है।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास खबर

सेवा संकल्प अभियान : 'तीखी मिर्च' से घुली जीवन में मिठास

रायपुर। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम मल्दा-अ की श्रीमती दशमत साहू ने मिर्च की वैज्ञानिक व व्यवस्थित खेती से न सिर्फ अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया है, बल्कि पूरे क्षेत्र की महिलाओं के लिए प्रेरणापुंज बन गई हैं। आजीविका के नए अवसर तलाश रहीं दशमत साहू 'दुर्गा महिला स्वयं सहायता समूह' से जुड़ीं। स्थानीय संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करते हुए व्यावसायिक स्तर पर मिर्च का उत्पादन शुरू किया। उन्हें हर बार लगभग 10 क्विंटल मिर्च प्राप्त हुई और अब तक वे 40 क्विंटल मिर्च की बिक्री कर चुकी हैं। औसतन 5,000 रुपए प्रति क्विंटल की दर से उपज का विक्रय करने पर उन्हें 2 लाख रुपये की सकल बिक्री प्राप्त हुई।

लौकी की खेती से एक हेक्टेयर में कमाए 2.07 लाख रुपये

लखनपुर। लखनपुर विकासखंड के ग्राम पोड़ी निवासी किसान वासुदेव प्रधान ने खरीफ मौसम में एक हेक्टेयर में लौकी की खेती कर लगभग 2 लाख 7 हजार रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। उद्यानिकी विभाग से मिली जानकारी और तकनीकी मार्गदर्शन के आधार पर एक हेक्टेयर क्षेत्र में लौकी की खेती शुरू की। समय पर तैयारी, उचित प्रबंधन और विभागीय सलाह के अनुसार खेती करते हुए उन्होंने लगभग 250 से 300 क्विंटल लौकी का उत्पादन प्राप्त किया। 80 हजार रुपये की लागत आई। 2 लाख 87 हजार रुपये की आय प्राप्त हुई। उत्पादन लागत घटाने के बाद उन्हें करीब 2 लाख 7 हजार रुपये का शुद्ध लाभ मिला।

राज्य स्तरीय रोजगार मेला 7 एवं 8 अक्टूबर को रायपुर में

अम्बिकापुर। कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग द्वारा राज्य स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन 7 एवं 8 अक्टूबर 2026 को रायपुर स्थित बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि होंगे। रोजगार मेले में तकनीकी एवं गैर-तकनीकी क्षेत्रों के 8 हजार से अधिक पदों की रिक्तियां में रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। रोजगार मेले में प्रदेश के वृहद उद्योगों एवं निजी प्रतिष्ठानों को शामिल कर अधिक से अधिक रिक्त पद युवाओं के लिए उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इच्छुक युवा ई-रोजगार पोर्टल पर उपलब्ध रिक्तियों की जानकारी प्राप्त करने के साथ ही रोजगार मेले के लिए अपना पंजीयन भी करा सकते हैं। चयनित आवेदकों को कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ऑफर लेटर प्रदान करेंगे। चयनित अभ्यर्थियों की सूची 01 अक्टूबर तक प्रेषित करने के निर्देश दिए गए हैं।

इमली रोटी ने बदली बस्तर के डमरू कश्यप की तकदीर, केंद्र की योजना से बने आत्मनिर्भर उद्यमी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। दृढ़ इच्छाशक्ति और सरकारी योजनाओं के सही मार्गदर्शन से किस तरह एक साधारण किसान आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम कर सकता है, इसे बस्तर जिले के ग्राम कुम्हारवंड निवासी डमरू कश्यप ने साबित कर दिखाया है। आठवीं तक शिक्षित डमरू कश्यप मूल रूप से एक कृषक हैं, लेकिन खेती से पर्याप्त आमदनी न होने के कारण उनके परिवार को अक्सर गंभीर आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता था। परिवार के भरण-पोषण और अतिरिक्त आय का जरिया तलाशने के दौरान उन्होंने अपने क्षेत्र में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध वनोपज का सदुपयोग करने की ठानी। बस्तर में इमली के भारी उपलब्धता को देखते हुए उन्होंने इमली चपाती निर्माण की इकाई स्थापित करने का साहसिक फैसला लिया।

उनके इस सपने को तब नई दिशा मिली जब जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र जगदलपुर द्वारा आयोजित शिविर में उन्हें केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना की जानकारी मिली। विभागीय अधिकारियों के निरंतर मार्गदर्शन से डमरू कश्यप ने आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर अपना प्रोजेक्ट तैयार किया और भारतीय स्टेट बैंक बकावण्ड शाखा में आवेदन सौंपा। बैंक ने 70 हजार रुपए का ऋण मंजूर किया, जिस पर 35,840 रुपए का अनुदान भी प्राप्त हुआ।

वित्तीय सहायता मिलते ही उन्होंने पूरी लगन के साथ इमली चपाती निर्माण का कार्य धरातल पर शुरू कर दिया। उनकी मेहनत जल्द ही रंग लाई और उनके द्वारा तैयार इमली चपाती की मांग स्थानीय हाट-बाजारों के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी तेजी से बढ़ने लगी। आज उनकी इस सूक्ष्म इकाई का वार्षिक टर्नओवर ढाई लाख रुपए तक पहुंच चुका है। इससे न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति पूरी तरह मजबूत हुई है, बल्कि उन्होंने दो अन्य स्थानीय लोगों को भी रोजगार से जोड़कर स्वावलंबी बनाया है। सूक्ष्म उद्यमिता के जरिए सफलता की यह नई इबारत लिखने वाले डमरू कश्यप आज पूरे क्षेत्र के युवाओं और किसानों के लिए आत्मनिर्भरता के सशक्त प्रतीक बन चुके हैं।

जैन समाज की पहल से दिव्यांगजनों को मिले कृत्रिम अंग, यही सच्ची सेवा : शर्मा

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। जिले का पीजी कॉलेज डोम बुधवार को दिव्यांगजनों के जीवन में लौटती उम्मीद, बढ़ते आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का साक्षी बना। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा दिव्यांगजनों के बीच पहुंचे और निःशुल्क विशाल दिव्यांग उपकरण वितरण शिविर का शुभारंभ करते हुए हितग्राहियों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण प्रदान किए।

भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति जयपुर, सकल जैन समाज एवं भारतीय जैन संगटना (छत्तीसगढ़) और जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित शिविर में करीब एक हजार दिव्यांगजनों का पंजीयन हुआ है।

शिविर में कृत्रिम हाथ-पैर, कैलिपर्स, ट्राइसाइकिल सहित जरूरत के अनुसार अन्य उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उपकरण प्राप्त करने के बाद हितग्राहियों ने उनका उपयोग कर अपनी क्षमता का प्रदर्शन भी किया। एक हितग्राही ने कृत्रिम पैर की सहायता से बाइक चलाकर दिखाया, वहीं एक अन्य दिव्यांगजन ने कृत्रिम हाथ से पानी पीकर बताया कि यह सुविधा उसके दैनिक जीवन को किस तरह आसान बना सकती है।

श्री शर्मा ने कहा कि दिव्यांगजनों के लिए आयोजित यह शिविर अद्भुत सेवा का उदाहरण है। जैन समाज सेवा कार्यों में हमेशा आगे रहा है। उन्होंने कहा कि कवर्धा में रहते हुए उन्होंने जैन समाज को बहुत करीब से देखा है। जैन समाज के जीवन में एक ओर समृद्धि और सामाजिक दायित्व है, तो दूसरी ओर त्याग और सेवा की प्रबल भावना भी है। यही संतुलन समाज को सेवा कार्यों के लिए प्रेरित करता है।

आईईडी विस्फोटों से दिव्यांग हुए लोगों तक भी पहुंचेगी सेवा

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि ऐसे ही शिविर जगदलपुर और दंतेवाड़ा में भी आयोजित किए जाएंगे। बस्तर में आईईडी विस्फोटों के कारण दिव्यांग हुए लोगों को कृत्रिम हाथ-पैर उपलब्ध कराने की योजना पर काम किया जा रहा है। श्री शर्मा ने कहा कि शिविर का लाभ अधिक से अधिक जरूरतमंद दिव्यांगजनों तक पहुंचे, इसके लिए सभी लोग इसकी जानकारी अपने स्तर पर साझा करें। उन्होंने समाज, संस्थाओं और आयोजन से जुड़े सभी लोगों को सेवा कार्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

सहायक उपकरणों के साथ ही कौशल प्रशिक्षण भी देंगे

दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन हैं, जिन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। दिव्यांगजनों को केवल सहायक उपकरण उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि उन्हें कौशल प्रशिक्षण, स्वरोजगार और रोजगार के अवसरों से जोड़ना भी जरूरी है। रायपुर में दिव्यांगजनों के लिए कौशल विकास केंद्र तैयार किया जा रहा है, जहां विभिन्न ट्रेड के साथ डिजिटल मार्केटिंग और वित्तीय प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका परिषद कवर्धा के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति, पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र यादव, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक अग्रवाल, भारतीय जैन संगटना राष्ट्रीय सचिव पंकज लूकड़, प्रदेश अध्यक्ष विजय गंगवाल, प्रदेश महासचिव सीए विकास गोलछा, सकल जैन संघ कवर्धा के अध्यक्ष नेमीचंद गोलछा, जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ कवर्धा के अध्यक्ष खुशाल टाटिया, सकल जैन संघ कवर्धा के सचिव अतुल देशलहरा तथा स्वास्थ्य एवं शिविर प्रोग्राम के प्रदेश प्रमुख डॉ. अतुल जैन सहित जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

शिविर में राजस्थान से आई विशेषज्ञ टीम द्वारा मौके पर ही कृत्रिम अंग तैयार कर जरूरत के अनुसार उनका परीक्षण और फिटिंग की जा रही है। इससे हितग्राहियों को उनकी शारीरिक आवश्यकता के अनुरूप उपकरण उपलब्ध कराने में सुविधा मिल रही है।

सेवा संकल्प अभियान

अंबागढ़ चौकी स्वास्थ्य केन्द्र में 61 लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंबागढ़ चौकी में रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता निभाते हुए रक्तदान, अंगदान तथा स्वास्थ्य जांच जैसी जनहितकारी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की।

शिविर में कुल 61 व्यक्तियों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। रक्तदाताओं के उत्साहवर्धन एवं सम्मान स्वरूप उन्हें हेलमेट एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान जिला पंचायत अध्यक्ष नम्रता सिंह, कलेक्टर तनुजा सलाम एवं जनप्रतिनिधि दिलीप वर्मा द्वारा प्रदान किया गया।

इसी क्रम में 5 व्यक्तियों ने अंगदान हेतु संकल्प-पत्र भरकर अंगदान का संकल्प लिया। अंगदान के प्रति लोगों को जागरूक करने और इस पुनीत पहल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती सलाम द्वारा सभी अंगदान संकल्पकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। शिविर के माध्यम से आमजन को रक्तदान, अंगदान, नियमित स्वास्थ्य जांच एवं आयुष्मान कार्ड के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करने के साथ ही अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का भी संदेश दिया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंबागढ़ चौकी में आयोजित यह शिविर सेवा संकल्प अभियान के तहत जनसेवा और स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सफ्लतापूर्वक संपन्न हुआ। वही शिविर में लोगों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने रक्तदान, अंगदान एवं स्वास्थ्य जागरूकता के प्रति बढ़ती जनभागीदारी को प्रदर्शित किया।

स्वास्थ्य जांच एवं आयुष्मान कार्ड वितरण

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित शिविर में स्वास्थ्य सेवाओं का भी व्यापक लाभ आमजन को मिला। कुल 353 लोगों के रक्तचाप एवं ब्लड शुगर की जांच की गई तथा आवश्यकतानुसार स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान किया गया। इसके साथ ही पात्र हितग्राहियों को स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से 110 आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से हितग्राहियों को अब उपचार संबंधी स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

धान खेतों के सटीक आकलन-सत्यापन के लिए संचालनालय ने सीजीकॉस्ट के साथ किया एमओयू

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धान की खेती के क्षेत्रफल के सटीक, वैज्ञानिक एवं तकनीक आधारित आकलन की दिशा में राज्य शासन ने महत्वपूर्ण पहल की है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय, छत्तीसगढ़ तथा छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के मध्य आज एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

इसके अंतर्गत प्रदेश में सैटेलाइट इमेजरी, रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर धान की खेती के क्षेत्रफल की मैपिंग और सत्यापन किया जाएगा।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग श्री सोनमणि बोरा, सचिव, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले, संचालक, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग डॉ. फरिहा आलम तथा संचालक, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद कवीश्वर उपस्थित थे।

इस समझौते का उद्देश्य प्रदेश में धान की खेती के वास्तविक क्षेत्रफल के आकलन को अधिक सटीक और विश्वसनीय बनाना है। तकनीक आधारित इस व्यवस्था से भू-अभिलेखों, डिजिटल क्रॉप सर्वे और सैटेलाइट आधारित फसल सत्यापन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा। इससे धान उपार्जन से संबंधित प्रक्रियाओं में डेटा की शुद्धता बढ़ाने के साथ ही पारदर्शिता को और मजबूत करने में सहायता मिलेगी।

समझौते के अंतर्गत विशेष रूप से वन अधिकार अधिनियम तथा डुबान क्षेत्रों में स्थित ऐसे कृषि भू-भागों की पहचान एवं मैपिंग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिनका विवरण वर्तमान में जियो-रेफरेंस्ड स्वरूप में उपलब्ध नहीं है। ऐसे कृषि क्षेत्रों की जीआईएस आधारित पॉलीगॉन लेयर तैयार की जाएगी, जिससे संबंधित भू-भाग की डिजिटल भौगोलिक पहचान सुनिश्चित हो सकेगी।

इन क्षेत्रों में सैटेलाइट इमेजरी एवं रिमोट सेंसिंग तकनीक के माध्यम से धान की खेती वाले क्षेत्रफल का आकलन किया जाएगा। इससे ऐसे क्षेत्रों में भी फसल की वास्तविक स्थिति और कृषि रकबे के संबंध में अधिक सटीक भू-स्थानिक जानकारी उपलब्ध हो सकेगी, जहां पारंपरिक भू-अभिलेखों के आधार पर डिजिटल सत्यापन में व्यावहारिक कठिनाइयां आती रही हैं। प्रदेश के अन्य जियो-रेफरेंस्ड कृषि क्षेत्रों में उपलब्ध भूमि खंडों के अक्षांश-देशांश का सैटेलाइट इमेजरी के साथ मिलान किया जाएगा। इसके आधार पर संबंधित भू-खंड पर धान की फसल की उपस्थिति का तकनीकी सत्यापन किया जा सकेगा। इस प्रक्रिया से डिजिटल रिकॉर्ड और खेत की वास्तविक स्थिति के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में सहायता मिलेगी।

महाराजा चक्रधर की कला साधना ने दी रायगढ़ को सांस्कृतिक पहचान : चौधरी

- 2 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा कंटेंट क्रिएटर्स स्टूडियो
- पांच साल में 10 नए ऑक्सीजन गार्डन
- रायगढ़ में भी कला एवं संगीत महाविद्यालय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त 41वें चक्रधर समारोह का बुधवार को भव्य समापन हुआ। समापन समारोह में प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने महाराजा चक्रधर सिंह की कला साधना और योगदान को नमन करते हुए कहा कि महाराजा चक्रधर सिंह ने अपने समय में कला एवं संगीत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनके संरक्षण और योगदान से रायगढ़ घराने के कथक को देशभर में विशिष्ट पहचान मिली। चक्रधर समारोह इसी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम है।

उन्होंने बताया कि रायगढ़ में कला एवं संगीत महाविद्यालय की स्थापना की जाएगी। इसके लिए बजट में प्रावधान किया जा चुका है और आगे की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि रायगढ़ में कमला नेहरू पार्क की तर्ज पर अगले पांच वर्षों में 10 नए ऑक्सीजन गार्डन विकसित करने का संकल्प लिया गया है।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने बताया कि रायगढ़ में 2 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक स्टूडियो का निर्माण किया जाएगा। इससे स्थानीय युवाओं, कलाकारों और कंटेंट क्रिएटर्स को आधुनिक संसाधन और बेहतर रचनात्मक मंच उपलब्ध होगा। स्थानीय कला-संस्कृति को डिजिटल माध्यमों से व्यापक मंच प्रदान करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल होगी।

समापन समारोह में वित्त मंत्री ने आयुष नामदेव एवं उनके बैंड का सम्मान किया। वहीं पुनर्वासित कलाकारों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए उनके लिए 51 हजार रुपये की सम्मान राशि की घोषणा की। नक्सल संगठन में कमांडर रह चुकीं और पुनर्वास के बाद कला के माध्यम से समाज की मुख्यधारा से जुड़ीं चौती दीदी को वित्त मंत्री ने शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया।

नमो सेवा गाथा के तहत विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक से दिया संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'नमो सेवा गाथा' गतिविधि के तहत आईटीआई एवं वीरांगना दुर्गावती कॉलेज मरवाही के विद्यार्थियों ने जनजागरूकता की दिशा में प्रभावी पहल की। विद्यार्थियों ने मरवाही बस स्टैंड में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आम नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक किया। विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रस्तुति, प्रभावी संवाद और अभिनय ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के संदेश को सहज एवं सरल तरीके से लोगों तक पहुंचाया।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री आवास योजना, महतारी वंदन योजना, स्वच्छता से जुड़ी योजनाओं सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों के सामने प्रस्तुत की। विद्यार्थियों ने अपने अभिनय और संवादों के माध्यम से यह समझाने का प्रयास किया कि शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए पात्र हितग्राहियों को योजनाओं की जानकारी रखना, निर्धारित प्रक्रियाओं को समझना और जागरूक रहना आवश्यक है।

विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से नागरिकों को यह संदेश भी दिया कि केवल स्वयं योजनाओं की जानकारी प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि अपने परिवार, पड़ोस और आसपास के अन्य लोगों को भी शासकीय योजनाओं के प्रति जागरूक करना जनभागीदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस दौरान नुक्कड़ नाटक के जरिए योजनाओं के उद्देश्य और उनसे मिलने वाले लाभों को आम बोलचाल की भाषा में प्रस्तुत किया गया, जिससे उपस्थित लोगों के लिए विषय को समझना आसान रहा।

बस स्टैंड परिसर में आयोजित इस जागरूकता कार्यक्रम को ग्रामीणों एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक देखा। विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रस्तुति और जनहित से जुड़े विषयों को रोचक तरीके से सामने रखने के प्रयास की उपस्थित लोगों ने सराहना की। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने यह संदेश दिया कि जागरूक नागरिक ही शासन की योजनाओं का अधिक प्रभावी ढंग से लाभ उठा सकते हैं और योजनाओं के उद्देश्यों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित यह गतिविधि विद्यार्थियों को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने के साथ ही जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति आम नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने का माध्यम बनी।

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर पुलिस लाइन अस्पताल में लगा वृहत स्वास्थ्य मेला

अम्बिकापुर। 11 वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर बुधवार को पुलिस लाईन अस्पताल में वृहत स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत आयोजित शिविर में मुख्य रूप से मरीजों के उपचार के साथ साथ स्वस्थ्य भविष्य के लिए आयुर्वेद का संदेश वन हेल्थ वन फ्यूचर, स्वर्ण प्राशन संस्कार, औषधि पौधों की प्रदर्शनी, आहार विहार, योग एवं नाड़ी स्वेदन, गैर संचारी रोगों के बारे में जानकारी सहित अन्य आयोजन किए गए दी गई। वहीं जांच एवं उपचार प्रकृति परीक्षण जन जागरूकता ऋतुचर्या एवं स्वस्थ रहने की जानकारी भी प्रदान की गई। मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी उपस्थित थे।

फातिमा सना शेख बोलीं- नारीवाद का मतलब पुरुषों के अधिकार छीनना नहीं, बराबरी की मांग करना है

अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने नारीवाद को लेकर खुलकर अपनी राय रखी है। फातिमा लंबे समय से खुद को नारीवादी कहने से परहेज नहीं करती रही हैं। अपनी आगामी वेब सीरीज 'हुंकार द रोअर' में जांबाज पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहीं अभिनेत्री ने कहा कि नारीवाद शब्द को लेकर समाज और फिल्म उद्योग में अब भी कई तरह की गलत धारणाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि नारीवादी होने का अर्थ पुरुषों के अधिकार छीनना नहीं, बल्कि महिलाओं के लिए समान अधिकारों की मांग करना है।

फातिमा ने कहा कि कई लोग नारीवाद को आज भी एक नकारात्मक शब्द के रूप में देखते हैं। उन्हें यह देखकर हैरानी होती है कि कुछ अभिनेत्रियां खुद को नारीवादी कहने से बचती हैं। उनके मुताबिक, किसी महिला का नारीवादी होना इस बात का संकेत नहीं है कि वह पुरुषों के अधिकारों के खिलाफ है।

अभिनेत्री ने कहा, नारीवादी होने का मतलब यह नहीं है कि मैं किसी पुरुष के अधिकार छीन रही हूं। मैं तो सिर्फ अपने लिए बराबरी के अधिकार मांग रही हूं। उन्होंने इस संदर्भ में अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस का उदाहरण दिया, जो सार्वजनिक रूप से खुद को नारीवादी कहती रही हैं।

फातिमा ने कहा कि खुद को नारीवादी कहने से किसी कलाकार के प्रशंसकों की संख्या कम नहीं होती। उन्होंने प्रियंका चोपड़ा का उदाहरण देते हुए कहा कि अभिनेत्री खुले तौर पर नारीवाद की बात करती हैं और इसके बावजूद उनकी बड़ी संख्या में पुरुष प्रशंसक हैं।

फातिमा के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति की नीयत स्पष्ट हो और वह अपनी बात सही तरीके से लोगों तक पहुंचाए तो दर्शक उसे समझते हैं। उन्होंने कहा कि किसी विचार को लेकर लोगों के बीच बनी गलत धारणा को बातचीत और स्पष्ट सोच के माध्यम से बदला जा सकता है।

फातिमा सना शेख आगामी वेब सीरीज 'हुंकार द रोअर' में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं। कहानी एक ऐसे संवेदनशील मामले के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी जांच फातिमा का किरदार करता है। मामले में अनीत पड्डा द्वारा निभाई गई एक नाबालिग लड़की का किरदार एक आध्यात्मिक गुरु पर यौन शोषण का आरोप लगाता है।

फातिमा ने इस परियोजना को अपने करियर के सबसे महत्वपूर्ण और सीख देने वाले अनुभवों में से एक बताया है। उनका कहना है कि इस सीरीज के दौरान उन्हें एक कलाकार के रूप में अपनी राय रखने और रचनात्मक प्रक्रिया में भाग लेने का पूरा अवसर मिला।

अभिनेत्री के मुताबिक, इस परियोजना की सबसे खास बात यह रही कि निर्माताओं ने उन्हें हमेशा बराबरी का दर्जा दिया और उनकी राय को महत्व दिया। उन्होंने कहा कि किसी कलाकार के लिए ऐसा माहौल महत्वपूर्ण होता है, जहां वह अपनी बात खुलकर रख सके और उसकी राय को गंभीरता से लिया जाए।

'हुंकार द रोअर' का निर्माण बिरला स्टूडियोज और अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने पर्पल पेबल पिक्चर्स तथा मंगाटा फिल्म्स के साथ मिलकर किया है। सीरीज का निर्देशन करण डी. कपाड़िया और नित्या मेहरा ने किया है। 'हुंकार द रोअर' में फातिमा सना शेख एक जटिल और संवेदनशील मामले की जांच करती पुलिस अधिकारी की भूमिका में दिखाई देंगी। सामाजिक मुद्दे और अपराध की पृष्ठभूमि पर आधारित यह सीरीज 25 सितंबर से जियोहॉटस्टार पर प्रसारित होगी। अब दर्शकों की नजर इस बात पर है कि फातिमा अपनी नई भूमिका के जरिए इस संवेदनशील कहानी को किस तरह पर्दे पर प्रस्तुत करती हैं।

डेयर डेविल से अजीत का फर्स्ट लुक आउट, एक्टर का दिखा बॉसी अंदाज

गैंगस्टर एक्शन ड्रामा गुड बैड अग्ली के बाद अजित अपनी 64वीं फिल्म के लिए एक बार फिर अधिक रविचंद्रन के साथ काम कर रहे हैं। इस बार ये जोड़ी डेयर डेविल नाम की फिल्म ला रही है। इसकी अनाउंसमेंट के बाद से ही फैंस एक्साइटेड हैं. वहीं मेकर्स ने फिल्म से अजीत का फर्स्ट लुक भी रिवील कर दिया है। फिल्म की शूटिंग शुरू होने की जानकारी भी दी गई है।

बता दें कि अजित कुमार की अपकमिंग फिल्म डेयर डेविल के मेकर्स ने फिल्म से एक्टर का पहला लुक शेयर किया। फर्स्ट लुक पोस्टर में अजित लाल रंग की शानदार लेदर विंगबैक चेयर पर बैठे हुए नजर आ रहे हैं। एक्टर व्हाइट कलर के पैंट सूट मे काफी हैंडसम दिख रहे हैं और उन्होंने रेड कलर के शेड वाले सनग्लासेस, मेटल की रिस्टवॉच और ब्रेसलेट पहना हुआ है। अजित के हाथ में डाइस गेम का एक पीस दिखाई दे रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक डेयर डेविल 2027 की गर्मियों में बड़े पर्दे पर रिलीज हो सकती है। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट की ऑफिशियल अनआउंसमेंट अभी नहीं हुई है। वहीं हाल ही में, टीम ने बताया कि फिल्म की शूटिंग 2 नवंबर से शुरू होगी। अगर फिल्म को गर्मियों में रिलीज करने का प्लान है, तो शूटिंग बहुत तेजी से होने की उम्मीद है।

बता दें कि डेयर डेविल नाम की यह फिल्म डायरेक्टर अधिक रविचंद्रन के साथ अजित का लगातार दूसरा कोलेबोरेशन है और इसे शालिनी अजित कुमार ब्रेव हार्ट्स प्रोडक्शन के बैनर तले प्रोड्यूस करेंगी। फिल्म का म्यूजिक अनिरुद्ध रविचंदर ने कंपोज किया है।

जेनेलिया के साथ रोमांटिक अंदाज में दिखे इमरान हाशमी, रिलीज हुआ 'गनमास्टर जी9' का गाना.....

अपकमिंग फिल्म 'गनमास्टर जी9' का नया गाना 'अफसाना बनाया आपने' रिलीज हो गया है। इसमें इमरान हाशमी जेनेलिया डिसूजा के साथ रोमांस करते दिखे हैं। इमरान हाशमी और जेनेलिया डिसूजा की अदाकारी से सजी फिल्म 'गनमास्टर जी9' का नया गाना 'अफसाना बनाया आपने' रिलीज हो गया है। गाने में इमरान हाशमी और जेनेलिया डिसूजा ने अभिनय किया है। इसे हिमेश रेशमिया और आसीस कौर ने आवाज दी है। गाने के बोल हिमेश रेशमिया ने लिखे हैं। उन्होंने ही इसका म्यूजिक तैयार किया है।

गाने को मिल रहा अच्छा रिस्पॉन्स

हाल ही में इमरान हाशमी ने इंस्टाग्राम पर 'गनमास्टर जी9' के पहले गाने 'अफसाना बनाया आपने' का टीजर पोस्ट करके गाने की रिलीज का एलान किया था। इसके एक दिन बाद आज फिल्म का गाना रिलीज हो गया है। यूट्यूब पर गाने को अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। 2 घंटे में इस गाने को तीन लाख व्यूज मिले हैं।

क्यों खास है गाना?

फिल्म 'गनमास्टर जी9' का गाना इसलिए खास है क्योंकि अभिनेता इमरान हाशमी और गायक हिमेश रेशमिया लंबे समय के बाद एक-दूसरे के साथ वापसी करने जा रहे हैं।

गाने को देखकर फैंस को 2005-2006 का दौर आ याद आ रहा है। उन दिनों इमरान हाशमी और हिमेश रेशमिया संगीत की दुनिया में धूम मचा रहे थे।

खास था टीजर

25 अगस्त को फिल्म 'गनमास्टर जी 9' का टीजर रिलीज हुआ था। टीजर से इमरान ने एक बार फिर अपने फैंस को चौंकाया था। 1 मिनट 22 सेकंड के इस टीजर में एक्टर इस बार रोमांटिक और एक्शन दोनों ही अंदाज में नजर आए थे। जानें कैसा है टीजर?

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म 'गनमास्टर जी 9' का निर्देशन आदित्य दत्त ने किया है। वहीं फिल्म का संगीत हिमेश रेशमिया ने कंपोज किया है।

फिल्म का निर्माण दीपक मुकुट, संगीता अहीर और हुनर मुकुट ने किया है। यह 29 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'आवारापन 2' के सुपरहिट साबित होने के बाद 'गनमास्टर जी9' के सफ्लता की उम्मीद है।

व्हाइट ट्रांसपेरेंट साड़ी में मौनी रॉय ने ढाया कहर बोल्ड अंदाज के साथ दिखी देसी नजाकत

बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री में अपनी कातिलाना अदाओं से तहलका मचाने वाली अभिनेत्री मौनी रॉय एक बार फिर सुर्खियों में हैं। अपनी बहुमुखी अभिनय क्षमता के साथ-साथ मौनी अपने बेमिसाल फैशन सेंस और बोल्ड स्टाइल स्टेटमेंट के लिए जानी जाती हैं।

हाल ही में मौनी ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ बेहद हॉट और आकर्षक तस्वीरें साझा की हैं, जिन्होंने इंटरनेट पर आते ही आग लगा दी है। इन तस्वीरों में मौनी रॉय ट्रेडिशनल अवतार में नज़र आ रही हैं, लेकिन उनका यह सादगी भरा लुक भी ग्लैमर और हॉटनेस का ऐसा तड़का लगा रहा है कि फैंस अपनी नजरें उनसे हटा नहीं पा रहे हैं।

तस्वीरों में मौनी रॉय ने बेहद खूबसूरत और हल्की सफेद रंग की ट्रांसपेरेंट ऑर्गेंजा साड़ी पहनी हुई है। इस साड़ी की बॉर्डर पर महीन और बारीक थ्रेड एम्ब्रॉयडरी और कट-वर्क का काम किया गया है, जो इसके लुक में रॉयल्टी जोड़ता है।

साड़ी के साथ उन्होंने मैचिंग डीप-नेक और स्लीवलेस ब्लाउज पेयर किया है, जो उनके टोंड फिगर और एब्स को पूरी तरह से फ्लॉन्ट कर रहा है। साड़ी का फ्लोई और ट्रांसपेरेंट फैब्रिक उनके लुक में बोल्डनेस का परफेक्ट एलिमेंट जोड़ रहा है, जो पारंपरिक एथनिक वियर को भी एक मॉडर्न और सेडक्टिव टच दे रहा है।

मौनी ने फेशियल एक्सप्रेशन्स को उभारने के लिए बहुत ही मिनिमल और सॉफ्ट ग्लैम मेकअप का इस्तेमाल किया है। परफेक्टली डिफाइंड आईब्रो, विंग्ड आईलाइनर, मस्कारा कोटेड लैशेज और न्यूड-पिंक लिपस्टिक उनके न्यूट्रल लुक को पूरी तरह से कॉम्प्लिमेंट कर रहे हैं।

मौनी ने अपने घने काले बालों को सॉफ्ट कर्ल्स और साइड-पार्टेड वेव्स में खुला छोड़ा है। बालों में पीछे की तरफ लगाया गया ताजे मोगरे के फूलों का गजरा उनके पूरे लुक में एक क्लासिक इंडियन ग्रेस और ताजगी भर रहा है। उन्होंने गले में कोई हैवी नेकलेस न पहनकर सारा ध्यान अपने स्टेटमेंट इयररिंग्स पर रखा है। मौनी ने भारी पारंपरिक कुंदन और पर्ल वर्क वाले लंबे झुमके पहने हैं, जिन पर पिंक बीड्स का बारीक काम है।

किसी तस्वीर में मौनी सोफे पर बैठकर अपने बालों को सहलाते हुए पोज दे रही हैं, तो किसी तस्वीर में कैमरे से नजरें चुराकर साइड प्रोफाइल फ्लॉन्ट कर रही हैं। उनके बैठने के अंदाज से लेकर हाथों के मूवमेंट तक, हर एक पोज में गजब की नजाकत और हॉटनेस झलक रही है।

कसरत के बाद रिकवरी कक्ष का उपयोग क्यों होता है जरूरी? जानिए इसका महत्व

कसरत के बाद रिकवरी कक्ष का उपयोग करना बहुत जरूरी है। यह प्रक्रिया आपके शरीर को आराम और नई ऊर्जा देती है। रिकवरी कक्ष का उपयोग करने से मांसपेशियों की थकान दूर होती है और शरीर की ऊर्जा वापस मिलती है। इसके अलावा यह मानसिक शांति भी प्रदान करता है। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे रिकवरी कक्ष का उपयोग करके आप अपनी कसरत के बाद बेहतर आराम पा सकते हैं।

मांसपेशियों की थकान होती है दूर

कसरत के बाद मांसपेशियां थक जाती हैं और उन्हें आराम देना बहुत जरूरी है। रिकवरी कक्ष में बैठकर आप अपनी मांसपेशियों की थकान को दूर कर सकते हैं।

गर्म हवा और आरामदायक माहौल मांसपेशियों को आराम देता है, जिससे दर्द और अकड़न कम होती है। इसके अलावा रिकवरी कक्ष में बैठने से खून का बहाव बेहतर होता है, जो जल्दी ठीक होने में मदद करता है। इस तरह आप अपनी कसरत के बाद बेहतर आराम पा सकते हैं।

मिलती है मानसिक शांति

कसरत के बाद दिमाग भी थक जाता है और उसे शांति देना बहुत जरूरी है। रिकवरी कक्ष में बैठकर आप अपनी मानसिक थकान को भी दूर कर सकते हैं।

शांत माहौल, सुखदायक तापमान और आरामदायक बैठने की जगह दिमाग को आराम देती है, जिससे तनाव कम होता है।

इसके अलावा रिकवरी कक्ष में बिताया गया समय आपके मन को शांति और सुकून प्रदान करता है, जिससे आप नई ऊर्जा के साथ अपनी अगली कसरत के लिए तैयार हो सकते हैं।

शरीर का तापमान होता है संतुलित

कसरत के बाद शरीर का तापमान बढ़ जाता है और उसे संतुलित करना जरूरी हो जाता है। रिकवरी कक्ष में बैठकर आप अपने शरीर के तापमान को धीरे-धीरे सामान्य कर सकते हैं।

गर्म हवा शरीर की जमी हुई ऊर्जा को बाहर निकालती है और ठंडक लाती है। इसके अलावा रिकवरी कक्ष का तापमान आपके पसीने को जल्दी सुखाता है, जिससे आप अधिक आरामदायक महसूस करते हैं। इससे आपकी ठीक होने की प्रक्रिया भी तेज होती है।

त्वचा को मिलेगी ताजगी

कसरत के बाद पसीना निकलने से त्वचा साफ होती है, लेकिन उसमें ठंडक लाने के लिए रिकवरी कक्ष का उपयोग करना चाहिए। रिकवरी कक्ष की गर्म हवा त्वचा के रोमछिद्रों को खोलती है, जिससे गंदगी बाहर निकलती है और त्वचा ताजगी महसूस करती है।

इसके अलावा रिकवरी कक्ष में बिताया गया समय त्वचा को आराम और सुकून भी प्रदान करता है। इससे आपकी त्वचा और भी निखर जाती है और आप अधिक तरोताजा महसूस करते हैं।

सामाजिक बातचीत का मौका

रिकवरी कक्ष में बैठने का एक फायदा यह भी होता है कि आप अन्य लोगों से मिल सकते हैं और बातचीत कर सकते हैं। यह सामाजिक संपर्क आपके मनोबल को बढ़ाता है और मानसिक तनाव को कम करता है। इस तरह रिकवरी कक्ष का उपयोग न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक रूप से भी फायदेमंद होता है। इन सभी कारणों से यह साफ हो जाता है कि कसरत के बाद रिकवरी कक्ष का उपयोग कितना जरूरी है।

बैड्स ऑफ बॉलीवुड के दूसरे सीजन पर कब शुरू होगा काम? आ गया ये अपडेट

शाहरुख खान के लाडले बेटे आर्यन खान की पहली निर्देशित सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड का प्रीमियर सितंबर, 2025 में नेटफ्लिक्स पर हुआ था। फिल्मी पर्दे के पीछे की हकीकत, हास्य और एक्शन से भरपूर यह ड्रामा दर्शकों को भी खूब पसंद आया। लक्ष्य, राघव जुयाल, मोना सिंह और बॉबी देओल जैसे कलाकार इस सीरीज का हिस्सा थे। ताजा अपडेट है कि बैड्स ऑफ बॉलीवुड का दूसरा सीजन आने के लिए तैयार है, जिसका इंतजार दर्शक बेसब्री से कर रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, आर्यन के निर्देशन में बैड्स ऑफ बॉलीवुड सीजन 2 की शूटिंग मार्च, 2027 से शुरू होने वाली है, जिसमें पहले सीजन के कलाकार लौटेंगे। इसमें आसमान सिंह के रूप में लक्ष्य, करिश्मा तलवार के रूप में सहर बंबा, अजय तलवार के रूप में बॉबी, परवेज के रूप में राघव और सान्या के रूप में अन्या सिंह शामिल हैं।

अन्य कलाकारों में मनोज पाहवा, मनीष चौधरी और रजत बेदी भी अपने किरदारों में वापसी करेंगे।

बैड्स ऑफ बॉलीवुड की कहानी बिलाल सिद्दीकी और मानव चौहान ने मिलकर लिखी थी, जिसका अंत एक अप्रत्याशित और रोमांचक मोड़ पर हुआ था। तब से दर्शक इसके अगले अध्याय के बारे में जानने के लिए बेहद उत्साहित हैं। फिलहाल, निर्माता दूसरे सीजन की कहानी को अभी गुप्त रख रहे हैं, लेकिन यह अपडेट फैंस का उत्साह बढ़ाने का काम कर रहा है। बता दें, सीरीज का निर्माण रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया गया था।

खास-खबर

बस्तर के वनकोमार में 'अमृत सरोवर' ने बदली तस्वीर

रायपुर। बस्तर के वनकोमार में 'अमृत सरोवर' ने बदली तस्वीरजल संरक्षण और ग्रामीण स्वावलंबन की दिशा में छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले ने एक अनुकरणीय मिसाल पेश की है। बस्तर जिले के जनपद पंचायत बकावंड के ग्राम पंचायत वनकोमार स्थित गोहनामुण्डा क्षेत्र में 'मिशन अमृत सरोवर' के तहत निर्मित नवीन तालाब आज ग्रामीणों के लिए किसी वरदान से कम साबित नहीं हो रहा है। कभी यह क्षेत्र भीषण जल संकट की मार झेल रहा था, जहाँ वर्षा जल संचयन की उचित व्यवस्था न होने से कुओं और हैंडपंपों का जलस्तर अत्यधिक गिर जाता था तथा कृषि एवं मवेशियों के लिए पानी की भारी किल्लत बनी रहती थी। इस स्थायी समस्या के समाधान और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को संबल देने के उद्देश्य से यहाँ अमृत सरोवर निर्माण की योजना तैयार की गई थी।

एएचपी की दो परियोजनाओं में 100 आवासों की स्वीकृति

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत रायपुर नगर निगम में दो एएचपी परियोजनाओं (भागीदारी में किफायती आवास) में 100 आवासों के निर्माण की मंजूरी मिली है। भारत सरकार के प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 की केन्द्रीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति (ष्टस्स्ष्ट) द्वारा इन आवासों की स्वीकृति प्रदान की गई है। दोनों परियोजनाओं की कुल लागत 5 करोड़ 56 लाख रुपए है। रायपुर में बांसटाल स्वीपर कॉलोनी स्लम के पुनर्वास के लिए दो करोड़ 11 लाख रुपए की लागत से 40 आवासों के निर्माण किए जाएंगे। योजना के तहत इसके लिए केंद्राश के रूप में प्रति आवास डेढ़ लाख रुपए के मान से 60 लाख रुपए और राज्यांश के रूप में प्रति आवास दो लाख 33 हजार रुपए के मान से 93 लाख रुपए मिलेंगे।

छत्तीसगढ़ में मानसून का मिला-जुला असर

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी 23 सितंबर 2026 तक के बारिश के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में मानसून का प्रभाव मिला-जुला देखने को मिल रहा है। राज्य में 1 जून से अब तक औसतन 1017.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जो कि पिछले 10 वर्षों की औसत बारिश (1067.6 मिमी) का 95.3 प्रतिशत है। करीब नजर आ रही है, लेकिन जिलों के अनुसार आंकड़ों का विश्लेषण करें तो राज्य के अलग-अलग हिस्सों में वर्षा की भारी असमानता साफ दिखाई देती है। इसके अलावा सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 135.0%, रायपुर में 123.9%, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 122.0%, महासमुंद में 118.7%, गरियाबंद में 116.2%, सूरजपुर में 110.1%, नारायणपुर में 109.7%, मुंगेली में 107.8%, बालोद में 105.1%, धमतरी में 104.8%, बलौदाबाजार में 103.7% और जांजगीर-चांपा में 100.2% बारिश दर्ज की गई है।

कल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना अभियान का उद्देश्य : मंत्री लखन लाल देवांगन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत बुधवार 23 सितम्बर को कोण्डागांव नगर के डोंगरीपारा में 'सेवा मेरा योगदान' शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर प्रदेश वाणिज्य एवं उद्योग, वाणिज्यिक कर (आबकारी) एवं श्रम मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री लखन लाल देवांगन मौजूद थे।

कैबिनेट मंत्री देवांगन ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा एवं समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' आयोजित किया जा रहा है। अभियान के तहत 17 सितंबर को जिले में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें नागरिकों ने हिस्सा लेते हुए घरों, चौक-चौराहों एवं गली-मोहल्लों में दीप प्रज्ज्वलित किए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा और समर्पण के ऐतिहासिक 25 वर्ष पूर्ण सफलतापूर्वक किए हैं, जिस अवसर पर सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाना और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाना है। उन्होंने आगे कहा कि किसान, महिला, गरीब एवं अन्य वर्गों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला, जनधन, स्वच्छ भारत, हर घर जल सहित विभिन्न योजनाएं संचालित हैं। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति कर रहा है और आगे भी नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करेगा।

इस दौरान बस्तर सांसद महेश कश्यप ने कहा कि 'सेवा संकल्प अभियान' के माध्यम से जनसेवा और जनभागीदारी की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। गरीब कल्याण, किसान, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, स्वच्छता, आवास, बैंकिंग और पेयजल सहित विभिन्न क्षेत्रों में योजनाएं संचालित की जा रही हैं। विधायक लता उसेंडी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि विभिन्न सेवा कार्यों एवं गतिविधियों के माध्यम से जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जा रहा है।

विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राही हुए लाभान्वित

कार्यक्रम में श्रम विभाग द्वारा मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना सहित 02 हितग्राहियों को 20 - 20 हजार की सहायता राशि, मिनीमाता महतारी जतन योजना के तहत 03 हितग्राहियों को 20 - 20 हजार की सहायता राशि मिली। स्वामित्व योजना अंतर्गत 08 हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख वितरण किया गया। समाज कल्याण विभाग से 08 दिव्यांगजनो को मोटराइज्ड ट्राईसिकल, स्वास्थ्य विभाग से 06 बच्चों को जन्म प्रमाण पत्र और 11 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किया गया। शिक्षा विभाग द्वारा 15 बच्चों को जाति प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा उत्कृष्ट कार्य हेतु 05 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का सम्मान और सक्षम योजना के तहत 02 हितग्राहियों को चेक वितरण किया गया।

अटारी स्थित बॉटनिकल गार्डन का होगा पुनर्विकास

पर्यटकों को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं और नए आकर्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार राज्य की प्राकृतिक धरोहरों को संवारने और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक बड़ी परियोजना पर कार्य कर रही है। रायपुर के अटारी स्थित प्रसिद्ध नंदनवन को पीपीपी (सार्वजनिक-निजी भागीदारी) मॉडल के तहत नए और आकर्षक स्वरूप में विकसित किया जाएगा। इस कायाकल्प योजना पर लगभग 50 करोड़ रूपए की लागत आएगी।

मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान नंदनवन पुनर्विकास की प्रस्तावित परियोजना के प्रस्ताव का प्रस्तुतिकरण किया गया। जिसका नंदन वन पीपीपी समिति द्वारा अनुमोदन किया गया। बैठक में नंदनवन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और इसे पर्यावरण व पर्यटन के एक बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में चर्चा की गई।

पीपीपी मॉडल पर आधारित योजना के अंतर्गत नंदनवन को आधुनिक एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए सार्वजनिक-निजी सहभागिता ली जाएगी। बॉटनिकल गार्डन का पुनर्विकास, प्राकृतिक संतुलन और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए बॉटनिकल गार्डन को नए सिरे से संवारा जाएगा। परिसर में पर्यटकों के लिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा, स्वच्छ सुविधाएं और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाएगा। बच्चों और परिवारों के मनोरंजन के लिए नए आकर्षण और गतिविधियां जोड़ी जाएंगी। सुशासन नीति के तहत राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक संपदा का संरक्षण करते हुए पर्यटन के क्षेत्र को नई गति दे रही है। नंदनवन का यह पुनर्विकास प्रकृति, पर्यावरण और आधुनिक जन-सुविधाओं का एक बेहतरीन संगम साबित होगा, जिससे स्थानीय व बाहरी पर्यटकों के अनुभव में बड़ा सुधार आएगा।

बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, पीसीसीएफ अरूण कुमार पांडेय, विधि एवं विधायी विभाग के प्रमुख सचिव मनीष कुमार ठाकुर, नीति आयोग के सदस्य आशीष भट्ट, वित्त विभाग सहित समीति के अन्य सदस्य एवं अन्य विभागों के प्रमुख अधिकारी शामिल हुए।

फसल विविधीकरण और व्यापवर्तन के लिए लागू होगा पायलट प्रोजेक्ट

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने और किसानों की आजीविका को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से फसल विविधीकरण एवं व्यापवर्तन पर एक नया पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा। मंत्रालय महानदी भवन में राज्य के मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में कृषि विशेषज्ञों और अंतर्राष्ट्रीय अर्ध-शुष्क उष्ण कटिबंधीय फसल अनुसंधान संस्थान (इक्रीसेट) के वैज्ञानिकों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव ने कृषि वैज्ञानिकों से कहा कि वे छत्तीसगढ़ के किसानों के खेतों में भ्रमण कर किसानों को अच्छी किस्म और अधिक कीमत मिलने वाली फसलों को लेने के लिए प्रेरित करें। जिससे उनकी आमदनी में ईजाफा होगा।

कृषि वैज्ञानिकों ने बताया कि यह परियोजना ओडिशा राज्य में पहले से सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है, जिसे अब छत्तीसगढ़ में भी लागू करने का निर्णय लिया गया है। इस योजना का मुख्य लक्ष्य जलवायु परिवर्तन के अनुरूप फसल प्रणाली विकसित करना, पुनरुत्थान कृषि को बढ़ावा देना तथा किसानों की आय में वृद्धि करना है। परियोजना के बेहतर और अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिए इस प्रोजेक्ट का प्रस्ताव 5 वर्षों की अवधि के लिए रखा गया है।

सरगुजा के अन्नदाताओं को बड़ी सौगात

7 नए धान उपार्जन केंद्रों की स्थापना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में सरगुजा जिले के किसानों के लिए धान की बिक्री अब और आसान होगी। राज्य शासन की स्वीकृति के बाद जिले में 7 नवीन धान उपार्जन केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। नए केंद्रों के शुरू होने से ग्रामीण अंचलों के किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए दूरस्थ उपार्जन केंद्रों तक जाने की आवश्यकता कम होगी। इससे किसानों के समय और परिवहन खर्च की बचत के साथ धान उपार्जन की प्रक्रिया को अधिक सुगम बनाने में मदद मिलेगी।

नवीन उपार्जन केंद्र अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम खालीवा, लुण्ड्रा के ग्राम पड़ोली, लखनपुर के ग्राम अंधला और उदयपुर विकासखंड के ग्राम चकेरी में स्थापित किए जा रहे हैं। इसके अलावा ग्राम उलकिया, रजौटी और बिनकरा को भी नए धान उपार्जन केंद्र के रूप में स्वीकृति दी गई है। कलेक्टर अजीत वसंत ने संबंधित विभागों को नवीन उपार्जन केंद्रों पर किसानों के लिए सुचारू एवं व्यवस्थित धान खरीदी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने तथा किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां प्राथमिकता से सुनिश्चित करने कहा है। नए धान उपार्जन केंद्रों पर किसानों की सुविधा के लिए स्वच्छ पेयजल, छायादार परिसर, बिजली, प्रकाश व्यवस्था और सुगम पहुंच मार्ग जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। जनरेटर की व्यवस्था के साथ बायोमेट्रिक एवं आईरिस सत्यापन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

बांस की टोकरी से दीपावली के उपहार तक, स्थानीय हुनर को मिलेगा बाजार

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। कोरबा जिले में जनजातीय परिवारों, स्व-सहायता समूहों और स्थानीय महिलाओं के पारंपरिक हुनर को बाजार से जोड़ने की दिशा में सेवा संकल्प अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण पहल की गई। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें बाँस से निर्मित उपयोगी एवं सजावटी सामग्री, सूपा, टुकनी, टोकरी, कुम्हारों द्वारा तैयार खिलौने, कोसा वस्त्र तथा वनोपज से तैयार खाद्य सामग्री सहित अनेक पारंपरिक उत्पादों को प्रदर्शित किया गया।

प्रदर्शनी में स्थानीय उत्पादों की विविधता ने न केवल कोरबा की समृद्ध जनजातीय एवं पारंपरिक कला की झलक दिखाई, बल्कि इन उत्पादों को बड़े बाजार से जोड़ने की संभावनाओं को भी सामने रखा। जिला प्रशासन का प्रयास है कि स्थानीय स्तर पर तैयार होने वाले इन उत्पादों को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले तथा भविष्य में इन्हें व्यापक बाजार उपलब्ध हो सके।

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से स्थानीय उत्पादों और उनसे जुड़े कारीगरों तथा महिला समूहों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'लोकल फॉर वोकल' के आह्वान के अनुरूप स्थानीय स्तर पर तैयार उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह पहल केवल उत्पादों की प्रदर्शनी तक सीमित नहीं है। इसका उद्देश्य जनजातीय परिवारों, बिरहोर समाज, स्व-सहायता समूहों और स्थानीय महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे पारंपरिक उत्पादों को उचित बाजार उपलब्ध कराना है, ताकि इनसे जुड़े लोगों के लिए आजीविका के बेहतर अवसर तैयार हो सकें। कलेक्टर दुदावत ने स्थानीय उत्पाद तैयार करने वाले स्व-सहायता समूहों और महिलाओं को आगामी दीपावली पर्व को ध्यान में रखते हुए बाँस से आकर्षक और उपयोगी उपहार तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया।

मंत्रिपरिषद् ने केवल संशोधित वेतनमान के आधार पर पेंशन देने का प्रस्ताव अमान्य किया था, वर्तमान पेंशन बंद करने का नहीं

उच्च शिक्षा विभाग ने मंत्रिपरिषद के निर्णय की गलत व्याख्या कर सेवानिवृत्त शिक्षकों को पहले से मिल रही पेंशन से भी किया वंचित

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। अनुदानित शिक्षक संघ, कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई ने छत्तीसगढ़ के शत-प्रतिशत अनुदान प्राप्त अशासकीय महाविद्यालयों के सेवानिवृत्त ह्वशिक्षकों एवं कर्मचारियों की पेंशन बंद किए जाने पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। सेवानिवृत्त प्राध्यापक संघ के प्रो डी एन शर्मा और डॉ आर पी अग्रवाल तथा संघ के अध्यक्ष डॉ. सुधीर शर्मा और सचिव डॉ. अनुराग पांडेय ने कहा है कि उच्च शिक्षा विभाग ने मंत्रिपरिषद के निर्णय की गलत और मनमानी व्याख्या करते हुए सैकड़ों सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों को पहले से प्राप्त पेंशन से भी वंचित कर दिया है।

मंत्रिपरिषद के कार्यसूची-विवरण में उच्च शिक्षा विभाग का प्रस्ताव स्पष्ट रूप से यह था कि शत-प्रतिशत अनुदान प्राप्त अशासकीय महाविद्यालयों के पेंशनरों को जिस वेतनमान से वे सेवानिवृत्त हुए हैं, उसी वेतनमान के अनुरूप पेंशन एवं उपदान प्रदान किया जाए। मंत्रिपरिषद ने इस प्रस्ताव को नियमों में प्रावधान तथा लोकहित में न होने के कारण अमान्य किया तथा सर्वोच्च न्यायालय में लंबित प्रकरणों में उचित विधिक पैरवी करने का परामर्श दिया।

इस निर्णय का सीधा और स्वाभाविक अर्थ केवल इतना है कि संबंधित प्रस्ताव के अनुसार संशोधित अथवा अंतिम वेतनमान के आधार पर पेंशन देने की नई व्यवस्था को स्वीकृति नहीं दी गई। मंत्रिपरिषद के निर्णय में कहीं भी पहले से स्वीकृत और वर्षों से दी जा रही पेंशन को बंद करने का निर्देश नहीं है। इसके बावजूद उच्च शिक्षा विभाग ने 1 सितंबर 2026 और 11 सितंबर 2026 को आदेश जारी कर न केवल सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों की वर्तमान पेंशन रोक दी, बल्कि कार्यरत शिक्षकों-कर्मचारियों की पेंशन एवं ग्रेच्युटी की पात्रता भी समाप्त कर दी। यह कार्रवाई मंत्रिपरिषद के वास्तविक निर्णय की सीमा से परे और उसकी गंभीर गलत व्याख्या प्रतीत होती है।

संघ ने कहा कि अनुदानित अशासकीय महाविद्यालयों के सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों को राज्य शासन द्वारा लगभग 37 वर्षों से पेंशन एवं ग्रेच्युटी प्रदान की जा रही है। 26 अक्टूबर 2010 के शासनादेश के अनुसार उन्हें पांचवें वेतनमान के आधार पर पेंशन तथा चौथे वेतनमान के आधार पर ग्रेच्युटी दी जाती रही है। शिक्षकों की मांग केवल यह थी कि जिस वेतनमान में वे सेवानिवृत्त हुए हैं, उसी के अनुरूप उनकी पेंशन निर्धारित की जाए। सरकार इस पर समान? न्याय प्रक्रिया और सहानुभूति के आधार पर विचार करें।

प्राध्यापकों और कर्मचारियों ने कहा कि पेंशन कोई दया या अनुग्रह राशि नहीं, बल्कि जीवनभर की सेवा के बदले प्राप्त सामाजिक सुरक्षा और सम्मानपूर्ण जीवन का आधार है। सेवानिवृत्त शिक्षक एवं कर्मचारी वृद्धावस्था में चिकित्सा, दवाइयों तथा पारिवारिक दायित्वों के लिए इसी पेंशन पर निर्भर हैं। जुलाई एवं अगस्त माह की पेंशन का भुगतान नहीं होना और सितंबर से पेंशन बंद कर देना उनके सामने गंभीर आर्थिक एवं मानवीय संकट उत्पन्न करता है।

सेवानिवृत्त और सेवारत अनुदानित शिक्षक और कर्मचारी संघ ने राज्य शासन से मांग की है कि— मंत्रिपरिषद के निर्णय की गलत व्याख्या पर आधारित 1 सितंबर 2026 तथा 11 सितंबर 2026 के आदेश तत्काल वापस लिए जाएँ। सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों को पूर्ववत मिल रही पेंशन अविलंब बहाल की जाए। जुलाई एवं अगस्त 2026 सहित समस्त लंबित पेंशन का तत्काल भुगतान किया जाए। कार्यरत शिक्षकों एवं कर्मचारियों की पेंशन तथा ग्रेच्युटी की पात्रता पूर्ववत सुरक्षित रखी जाए।

संघ ने मुख्यमंत्री, उच्च शिक्षा मंत्री और मुख्य सचिव से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा है कि शासन मानवीय संवेदनशीलता और न्यायपूर्ण दृष्टिकोण अपनाए। यदि वर्तमान पेंशन शीघ्र बहाल नहीं की गई, तो प्रभावित शिक्षक एवं कर्मचारी लोकतांत्रिक आंदोलन तथा उपलब्ध वैधानिक उपाय अपनाने के लिए बाध्य होंगे।

रंगोलियों में सजी रचनात्मकता, दिव्यांग बच्चों ने हुनर से भरे आत्मविश्वास के रंग

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत रायपुर में दिव्यांग बच्चों के लिए रचनात्मक गतिविधि का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने सुंदर और आकर्षक रंगोलियां बनाकर अपनी कला, प्रतिभा और सृजनशीलता का प्रदर्शन किया। रंगों और आकृतियों के माध्यम से बच्चों ने अपनी कल्पनाशक्ति को अभिव्यक्त करते हुए आत्मविश्वास और उत्साह के रंग बिखेरे। रंगोली निर्माण के दौरान बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। उन्होंने अपनी रुचि और हुनर के अनुरूप विभिन्न रंगों का प्रयोग करते हुए आकर्षक आकृतियां और डिजाइन तैयार किए। इस गतिविधि ने बच्चों को अपनी प्रतिभा को सामने लाने के साथ-साथ रचनात्मक अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान किया।

खास खबर

उप मुख्यमंत्री शर्मा पर आपत्तिजनक टिप्पणी, दो आरोपी गिरफ्तार

कबीरधाम। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की फोटो को लेकर फेसबुक पर कथित आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणी करने के दो मामले सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार पहले मामले में राकेश साहू की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया गया। आरोप है कि फेसबुक पर विजय शर्मा की फोटो पर वरुण राजपूत ने कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी की। इस मामले में बीएनएस की धारा 296 और आईटी एक्ट की धारा 67 के तहत कार्रवाई की गई है। दूसरे मामले में योगेश महाजन की शिकायत पर जितू चंद्रवंशी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया। फेसबुक स्टोरी पर उप मुख्यमंत्री की फोटो लगाने के बाद उसके संबंध में कथित अभद्र टिप्पणी की गई। पुलिस दोनों मामलों में संबंधित फेसबुक अकाउंट, पोस्ट, कमेंट, स्टोरी और स्क्रीनशॉट समेत डिजिटल साक्ष्यों की तकनीकी व कानूनी जांच कर रही है। आगे की कार्रवाई जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर की जाएगी।

नागपुर से बरामद किया गया रायपुर से अगुवा एक वर्षीय बच्चा

रायपुर। गुढ़ियारी थाना क्षेत्र से कथित रूप से जबरदस्ती ले जाए गए एक वर्षीय बच्चे को रायपुर पुलिस ने करीब पांच घंटे के भीतर महाराष्ट्र के नागपुर से सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने मामले में आरोपी पवन साहू को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से घटना में इस्तेमाल रॉयल एनफील्ड क्लासिक बाइक भी जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार 22 सितंबर को एक महिला ने गुढ़ियारी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि पवन साहू उसके घर में घुसा और कथित गाली-गलौज व धमकी के बाद उसके एक वर्षीय बच्चे को अपने साथ ले गया। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर बच्चे और आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस को आरोपी के बच्चे के साथ नागपुर की ओर जाने की जानकारी मिली। करीब पांच घंटे के भीतर आरोपी को पकड़ लिया गया और उसके कब्जे से बच्चे को सुरक्षित बरामद कर लिया गया।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायत पर अवैध रेत परिवहन के खिलाफ कार्रवाई

एमसीबी। आम नागरिकों की शिकायतों के त्वरित और समयबद्ध निराकरण के उद्देश्य से संचालित सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायत पर खनिज विभाग ने कार्रवाई की है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में अवैध रेत परिवहन की शिकायत मिलने पर विभागीय टीम ने जांच करते हुए अवैध रेत परिवहन में संलिप्त 4 ट्रैक्टर वाहनों को जब्त किया। कलेक्टर विजय दयाराम के. के निर्देशानुसार जिले में अवैध रेत खनन एवं परिवहन के विरुद्ध खनिज विभाग द्वारा लगातार निगरानी और कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई के दौरान चार ट्रैक्टर अवैध रेत परिवहन में संलिप्त पाए गए, जिन्हें जब्त कर लिया गया।

बाथरूम जाने के बहाने पुलिस को चकमा देकर भागा स्थायी वारंटी, छेड़छाड़ के पुराने केस में था फरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा जिले के पसान थाना इलाके से पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आई है। युवती से छेड़छाड़ के मामले में गिरफ्तार 354 का स्थायी वारंटी पुलिस को चकमा देकर हिरासत से फरार हो गया। आरोपी ने बाथरूम जाने का बहाना बनाया और मौका पाकर भाग निकला। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है।

जानकारी के अनुसार, फरार आरोपी का नाम खीरचंद बताया जा रहा है। आरोपी के खिलाफ धारा 354 के तहत मामला दर्ज था और वह लंबे समय से फरार चल रहा था। न्यायालय से उसके खिलाफ स्थायी वारंट जारी किया गया था। पसान पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी।

मामले में कटघोरा एसडीओपी विजय राजपूत ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी धारा 354 का पुराना स्थायी वारंटी था। उसे पकड़ने के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी। इसी

दौरान पुलिस को सूचना मिली और टीम ने उसे हिरासत में लिया था।

एसडीओपी ने बताया कि हिरासत में लेने के बाद पुलिस उससे पूछताछ कर रही थी। इसी दौरान आरोपी ने बाथरूम जाने की बात कही। पुलिसकर्मियों ने उसे जाने दिया, लेकिन इसी का फायदा उठाकर आरोपी पुलिस को चकमा देकर वहां से फरार हो गया। घटना के बाद थाना में अफरा-तफरी मच गई। तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई। पुलिस ने फौरन नाकाबंदी कर आरोपी की तलाश शुरू की। आसपास के इलाकों में दबिश दी जा रही है।

पुलिस ने फरार आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 265 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। यह धारा पुलिस अभिरक्षा से फरार होने पर लगाई जाती है। अब आरोपी पर दो मामले हो गए हैं। एक पुराना छेड़छाड़ का और दूसरा हिरासत से भागने का। एसडीओपी विजय राजपूत ने कहा कि आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस की कई टीमें उसकी तलाश में लगी हैं। उसके संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

ट्यूशन से घर लौट रही छात्रा से छेड़छाड़ खंडहर में रेप की कोशिश, दो गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई में स्कूल जाने के लिए घर से निकली नाबालिग छात्रा से सुनसान रास्ते पर दो आरोपियों ने छेड़छाड़ की। आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल है। आरोप है कि दोनों ने छात्रा को अकेला देखकर रास्ते में रोक लिया और उसके साथ जबरदस्ती करने लगे। छात्रा ने खुद को बचाने के लिए काफी देर तक मदद के लिए पुकार लगाई।

इलाका खंडहरनुमा इमारतों और झाड़ियों से घिरा होने के कारण कोई मदद के लिए नहीं पहुंच सका। कुछ देर बाद वहां से गुजर रहे युवकों की नजर छात्रा पर पड़ी। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घटना के करीब 4 घंटे के भीतर दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। मामला भिलाई नगर थाना क्षेत्र का है।

घटना बुधवार सुबह करीब 9 बजे के बीच की है। छात्रा रोज की तरह ट्यूशन जाने के लिए घर से निकली थी। ट्यूशन

से लौटने के बाद उसे अपनी सहेली के घर जाना था। इसी दौरान भिलाई स्टील प्लांट क्षेत्र के सेक्टर-6 में खंडहर पड़ी इमारतों और झाड़ियों के बीच दो लड़कों ने उसे अकेला देखकर रास्ते में रोक लिया।

बचाने के लिए लगातार चिल्लाती रही छात्रा

आरोप है कि दोनों ने छात्रा को घेर लिया और उसके साथ जबरदस्ती करने लगे। अचानक हुई घटना से छात्रा घबरा गई। उसने खुद को बचाने के लिए जोर-जोर से मदद के लिए पुकार लगाई। वह लगातार चिल्लाती रही, लेकिन सुनसान इलाका होने के कारण तत्काल कोई मदद के लिए नहीं पहुंच सका।

स्थानीय युवकों ने देखा तो बची छात्रा

कुछ देर बाद इसी रास्ते से गुजर रहे स्थानीय युवकों ने खंडहर की तरफ से छात्रा के चिल्लाने की आवाज सुनी। वे रुककर पास गए तो दो लड़कों को छात्रा के साथ जबरदस्ती करते देखा। युवकों ने तुरंत दोनों को रोका। उन्हें अपनी ओर आता देखकर दोनों आरोपी वहां से निकलने की कोशिश करने लगे। इसके बाद युवकों ने तत्काल पुलिस को घटना की सूचना दी।

पुलिस ने दोनों को पकड़ा, कोर्ट में किया पेश

सूचना मिलते ही भिलाई नगर पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रा को सुरक्षित किया। इसके बाद पुलिस ने आसपास के इलाके में आरोपियों की तलाश शुरू की। संभावित रास्तों और आसपास के स्थानों पर तलाश के बाद पुलिस ने घटना के करीब चार घंटे के भीतर दोनों आरोपियों को पकड़ लिया।

पुलिस के अनुसार, एक आरोपी नाबालिग है, जबकि दूसरा बालिग है। कार्रवाई के बाद नाबालिग आरोपी को बाल न्यायालय में पेश किया गया। वहीं, बालिग आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

देशी कट्टा लहराकर राहगीरों को धमका रहा था युवक, पुलिस ने घेराबंदी कर दबोचा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जगदलपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र के लालबाग मैदान के पास बीती रात देशी कट्टा लेकर लोगों को डराने-धमकाने का मामला सामने आया। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया।

पुलिस के अनुसार, गीदम रोड निवासी अजय राजपूत (29 वर्ष) लालबाग मैदान के पास देशी कट्टा लेकर खड़ा था और वहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को कथित तौर पर डरा-धमका रहा था। युवक के हाथ में हथियार देखकर आसपास के लोगों में डर का माहौल बन गया और कुछ लोग वहां से हटने लगे।

घटना की जानकारी एक युवक ने कोतवाली पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर लालबाग मैदान के आसपास घेराबंदी की और अजय राजपूत को पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी की तलाशी ली, जिसमें उसके पास से एक देशी कट्टा और एक जिंदा

कारतूस मिला। इसके बाद उसे हिरासत में लेकर कोतवाली थाने लाया गया।

कोतवाली थाना प्रभारी लीलाधर राठौर के अनुसार, आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने कथित तौर पर बताया कि उसने देशी कट्टा काफी समय पहले खरीदा था और इसे लोगों को डराने के लिए अपने पास रखा था। पुलिस अब इस दावे की जांच कर रही है।

पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी ने देशी कट्टा कहां से खरीदा और कितने रुपये में लिया था। साथ ही हथियार की खरीद-फरोख्त से जुड़े अन्य संभावित लोगों और स्रोतों की भी जांच की जा रही है। फिलहाल आरोपी पुलिस की गिरफ्त में है और मामले की आगे की जांच जारी है।

करमा पूजा के बाद विवाद ने लिया खूनी रूप, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। बलरामपुर जिले के थाना सामरीपाठ क्षेत्र के ग्राम सेरंगदाग में करमा पूजा के दौरान शुरू हुआ विवाद कुछ देर बाद हिंसक हो गया। आरोप है कि विवाद के बाद एक युवक पर टांगी से जानलेवा हमला किया गया। हमले में युवक की गर्दन के नीचे और पीठ पर गहरे घाव आए। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, 22 सितंबर को प्रार्थी सुनील कुमार ने थाना सामरीपाठ में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया कि गांव के अखरा में करमा पूजा का आयोजन हुआ था, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

शिकायत के मुताबिक, सुबह

करीब 9 बजे प्रार्थी के बड़े पिता शीतल नगेसिया का गांव के ही उदय नगेसिया से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर शीतल नगेसिया को सुरक्षित उनके घर पहुंचाया। इसके बाद उदय नगेसिया भी अपने घर चला गया। आरोप है कि कुछ देर बाद उदय नगेसिया अपने घर से टांगी लेकर वापस आया और शीतल नगेसिया के पुत्र गेड़वा उर्फ भोटना नगेसिया पर हमला कर दिया।

दोबारा वार करने से पहले ग्रामीणों ने पकड़ा

पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, टांगी के वार से भोटना नगेसिया की गर्दन के नीचे और पीठ पर गंभीर चोट आई। आरोपी ने दोबारा हमला करने का प्रयास किया, लेकिन मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत हस्तक्षेप कर उसे पकड़ लिया। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस को सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की।

बीएनएस की धारा 109 में मामला, आरोपी जेल भेजा

प्रार्थी की शिकायत के आधार पर थाना सामरीपाठ में आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 के तहत मामला दर्ज किया गया। इस धारा में हत्या के प्रयास से संबंधित अपराध का प्रावधान है।

पुलिस टीम ने दबिश देकर उदय नगेसिया निवासी सेरंगदाग को गिरफ्तार किया। पूछताछ और आवश्यक कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों एवं साक्ष्यों को संकलित किया जा रहा है।

डरा-धमकाकर नाबालिग से रेप, रात भर पीड़िता घर नहीं लौटी, आरोपी युवक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ जिले में नाबालिग से रेप का मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव का युवक नाबालिग को बदनाम करने की धमकी देकर घर से अपने साथ ले गया। इसके बाद खेत के पास बने सुनसान मकान में उसके साथ रेप किया। घटना के बाद परिजनों ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। फिलहाल, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मामला छाल थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, सोमवार को थाना क्षेत्र के एक ग्रामीण ने अपनी नाबालिग बेटी के साथ रेप की रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने गांव के रहने वाले छोटू राठिया (20) पर रेप का आरोप लगाया। परिजन के मुताबिक, 18 सितंबर की रात परिवार के सभी सदस्य खाना खाने

के बाद सो गए थे।

इसी दौरान नाबालिग घर से कहीं चली गई और वापस नहीं लौटी। परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। अगले दिन सुबह वह खेत के पास बने एक सुनसान मकान में मिली। इसके बाद परिजन उसे घर लेकर आए।

पूछताछ में नाबालिग ने बताया कि आरोपी शाम के समय उसके घर के पास आया था। उसने रात करीब 9 बजे उसे खेत के पास बने सुनसान मकान में बुलाया। उसके साथ नहीं आने पर आरोपी ने उसे बदनाम करने की धमकी दी। इससे डरकर वह उसके साथ चली गई।

नाबालिग के मुताबिक, सुनसान मकान में आरोपी ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद वह उसे वहीं छोड़कर चला गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने आपस में चर्चा की और थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 127(2), 64 भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो एक्ट की धारा 4, 6 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की। पीड़िता का महिला पुलिस अधिकारी से बयान कराया गया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गांव से हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया। पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

तीन एकड़ जमीन, 30 हजार का कर्ज और खेती का बोझ, किसान ने कीटनाशक खाकर दी जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा जिले के उरगा थाना क्षेत्र के बागबुड़ा गांव में एक किसान ने कर्ज और खेती के बोझ से परेशान होकर कथित तौर पर कीटनाशक का सेवन कर लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान 55 वर्षीय परदेसी राम कंवर के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, वह करीब 3 एकड़ जमीन पर खेती करते थे और खेती का पूरा काम अकेले संभालते थे। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।

मृतक के बेटे सुनील कुमार ने बताया कि उनके पिता के तीन बेटे और एक बेटी हैं। परिवार के पास करीब 3 एकड़ जमीन है। बेटों के घर में रहने के बावजूद खेती-बाड़ी में सहयोग नहीं करने से परदेसी राम परेशान रहते थे। वह अक्सर कहते थे कि खेती का सारा बोझ उन्हें अकेले उठाना पड़ रहा है।

30 हजार के कर्ज ने बढ़ाई परेशानी

परिजनों के अनुसार, परदेसी राम पर करीब 30 हजार रुपये का कर्ज भी था। खेती की जिम्मेदारी, बढ़ते काम के दबाव और कर्ज को लेकर वह अंदर ही अंदर परेशान रहने लगे थे। हालांकि, उन्होंने

परिवार के सामने अपनी परेशानी को लेकर ज्यादा चर्चा नहीं की थी।

सुनील ने बताया कि बुधवार को उनके पिता ने घर में ही कीटनाशक का सेवन कर लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। बेटे के अनुसार, पिता पहले भी कहते थे कि काम बहुत ज्यादा है और अकेले संभालना मुश्किल हो रहा है।

पुलिस ने शुरू की मामले की जांच

घटना की सूचना उरगा थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस की जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट होगी।

1200 नशीली गोलियों के साथ 7 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई शहर के सुपेला थाना पुलिस ने अटल आवास स्थित आशाराम बापू आश्रम मैदान के पास दबिश देकर नशीली दवाओं की तस्करी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने ग्राहक का इंतजार कर रहे सात लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है। पुलिस की टीम ने आरोपियों के पास से 1200 अल्प्राजोलम गोलियां, दो एयरगन और आठ मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

आरोपी क्षेत्र के लोगों में अपना खौफ कायम करने के लिए एयरगन का इस्तेमाल करते थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी करके सभी आरोपियों को पकड़ा। पकड़े गए आरोपियों में साहिल शेख, योगेश साहू, अमन साहू, मयंक यादव, जानी यादव और समीर ठाकुर के अलावा एक अपचारी बालक शामिल है। दुर्ग के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल ने बताया कि जांच में आरोपियों के दूसरे राज्यों से नशीली दवाएं लाकर भिलाई के अलग-अलग

इलाकों में खपाने की बात सामने आई है। गिरोह के सदस्य खरीदी और बिक्री दोनों तरह के कामों में शामिल थे। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि आरोपी यह गोलियां किन लोगों से खरीदते थे और भिलाई में किन-किन स्थानों पर इनकी आपूर्ति करते थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार जब्त आठ मोबाइल फोन इस मामले की जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इन मोबाइल फोन के माध्यम से खरीदारों, सप्लायरों और दवा की बिक्री से जुड़े संपर्कों का विवरण जुटाया जा रहा है।

नाबालिग की मौजूदगी पर जताई चिंता

नशीली दवाओं के अवैध कारोबार में कम उम्र के लड़के के शामिल होने से पुलिस प्रशासन ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। कम उम्र के युवाओं तक इन दवाओं की पहुंच कैसे हो रही है, पुलिस इस पर भी गहन जांच कर रही है। अल्प्राजोलम मुख्य रूप से चिकित्सीय उपयोग में आने वाली दवा है, लेकिन नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने अपनी रिपोर्ट में इसके गलत इस्तेमाल और दुरुपयोग का उल्लेख किया है। इसका लंबे समय तक या गलत तरीके से सेवन करने से व्यक्ति पर निर्भरता की स्थिति बन जाती है।

मेडिकल दुकानों पर पुलिस चलाएगी अभियान

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल ने बताया कि शहर में नशीली दवाओं की अवैध बिक्री पर रोक लगाने के लिए पुलिस एक विशेष जांच अभियान चलाएगी। अभियान के तहत भिलाई की मेडिकल दुकानों का निरीक्षण किया जाएगा और यह देखा जाएगा कि कहीं नियमों को दरकिनार करके प्रतिबंधित दवाएं तो नहीं बेची जा रही हैं। सुपेला पुलिस ने मामले के सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

8 नग हीरों के साथ तीन तस्करो को किया गिरफ्तार

गरियाबंद। छुरा पुलिस ने कथित अवैध हीरा परिवहन के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से कुल 8 नग कथित हीरे बरामद किए गए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 80 हजार रुपये बताई गई है। इसके अलावा पल्सर बाइक और तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 1.83 लाख रुपये आंकी गई है। आरोपी लिलेश्वर नायक, हेमकुमार यादव और पुरण नायक के कब्जे से क्रमशः 3, 3 और 2 कथित हीरे बरामद हुए। पुलिस ने तीनों के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2), 3(5) और माइनिंग एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

सेवा संकल्प अभियान रक्तदान महाकुंभ

एक दिन में 1000 महिलाओं ने किया रक्तदान, बना रिकार्ड

- 3600 से अधिक महिलाओं ने कराया पंजीयन, लगाए गए 200 बेड
- प्रोजेक्ट दधीचि के तहत 31 लोगों ने लिया देहदान का संकल्प
- आयुर्वेद के साथ ही आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा - साय
- आपका रक्त किसी जरूरतमंद को दे सकता है नया जीवन
- बच्चों के लिए बुक, टॉय और स्टेशनरी का कलेक्शन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवाओं में से एक है। रक्तदाता द्वारा दिया गया रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाकर उसके परिवार के लिए नई उम्मीद बन सकता है। आज बड़ी संख्या में माताओं-बहनों, युवाओं और समाज के विभिन्न वर्गों का रक्तदान, देहदान और अंगदान के लिए आगे आना सेवा, संवेदनशीलता और सामाजिक दायित्व की प्रेरणादायी मिसाल है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित आयुर्वेद सेवा सम्मेलन, रक्तदान महाकुंभ एवं वृहद स्वास्थ्य जांच शिविर को संबोधित करते समय यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस की शुभकामनाएं दीं और रक्तदान, देहदान एवं अंगदान का संकल्प लेने वाले नागरिकों के सेवा भाव की सराहना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से प्रदेशभर में सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जनसेवा और जनकल्याण के विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सेवा का यह अभियान समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ रहा है। रक्तदान से लेकर जरूरतमंद बच्चों के लिए पुस्तक, खिलौने और स्टेशनरी एकत्रित करने तक अनेक गतिविधियां इस अभियान को व्यापक जनभागीदारी का स्वरूप दे रही हैं।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर आयोजित आयुर्वेद सेवा सम्मेलन और रक्तदान महाकुंभ इसी सेवा भावना का सशक्त उदाहरण है। विशेष रूप से इतनी बड़ी संख्या में माताओं-बहनों का रक्तदान के लिए आगे आना अत्यंत प्रेरणादायी है। एक ही दिन में 1000 से अधिक महिलाओं ने रक्तदान कर मानव सेवा की अनुपम मिसाल प्रस्तुत की है। इस ऐतिहासिक पहल का गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है।

रक्तदान महाकुंभ में सेवा और जनभागीदारी की ऐतिहासिक तस्वीर देखने को मिली। आयोजन के लिए 3600 से अधिक महिलाओं ने रक्तदान हेतु पंजीयन कराया था और रक्तदान के लिए 200 बेड की व्यवस्था की गई। एक ही दिन में 1000 से अधिक महिलाओं के रक्तदान की पहल को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को इस उपलब्धि का प्रमाणपत्र एवं मेडल प्रदान किया।

मुख्यमंत्री इस उपलब्धि पर सभी रक्तदाताओं को बधाई देते हुए कहा कि रक्तदान का महत्व केवल आंकड़ों या रिकॉर्ड तक सीमित नहीं है। रक्त की प्रत्येक यूनिट किसी जरूरतमंद मरीज के लिए जीवन की नई आशा है। रक्तदान के लिए आगे आने वाला प्रत्येक व्यक्ति मानवता की सेवा में अपना अमूल्य योगदान देता है।

रक्तदान महाकुंभ में महिला एवं पुरुषों की बड़ी भागीदारी रही। आयोजन में लगभग 2500 यूनिट रक्तदान का लक्ष्य रखा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज में रक्तदान के प्रति बढ़ती जागरूकता और युवाओं तथा महिलाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी सेवा के संस्कारों को और मजबूत करती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रोजेक्ट दधीचि के अंतर्गत देहदान और अंगदान का संकल्प लेने वाले नागरिकों की विशेष सराहना की। कार्यक्रम में 31 लोगों ने देहदान का संकल्प लिया, जिनमें धरसींवा विधायक अनुज शर्मा भी शामिल रहे। प्रोजेक्ट दधीचि के अंतर्गत अब तक 103 लोगों द्वारा देहदान का संकल्प लिया जा चुका है।

तेजी से मजबूत हो रही स्वास्थ्य अधोसंरचना : स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि रक्तदान महाकुंभ में 2500 यूनिट रक्तदान का लक्ष्य रखा गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश की स्वास्थ्य अधोसंरचना का लगातार विस्तार किया जा रहा है। जगदलपुर और बिलासपुर में सुपर स्पेशलिटी स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। नए मेडिकल कॉलेजों के माध्यम से चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया गया है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी प्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है। एलोपैथी के साथ-साथ आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में भी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश में चार नए योग एवं नेचुरोपैथी अस्पताल विकसित किए जा रहे हैं। रायपुर में एनआईटी के सामने 100 बिस्तरीय नया आयुर्वेदिक अस्पताल तैयार किया जा रहा है, जबकि बिलासपुर में भी आयुर्वेदिक अस्पताल के नए भवन का निर्माण प्रगति पर है। स्वास्थ्य मंत्री ने आयुष मेले, स्वास्थ्य जांच शिविर और शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया।

विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में अब कोई बाधा नहीं, फर्राटे से भागेगा विकास : मुख्यमंत्री

- स्टेट कैपिटल रीजन में शामिल बीरगांव के सुनियोजित विकास के लिए तैयार होगा दीर्घकालीन रोडमैप
- बनेगा नालंदा परिसर और मॉडल रजिस्ट्री कार्यालय, दिए जाएंगे आवासीय पट्टे
- बीरगांव को मिले दो नए अग्निशमन वाहन
- मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत लगाया रुद्राक्ष का पौधा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है। शहरों में आधुनिक अधोसंरचना के निर्माण के साथ नागरिक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, ताकि विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। हमारे प्रदेश की प्राकृतिक संपदा, मानव संसाधन और अपार संभावनाओं का उपयोग कर हम सब मिलकर एक समृद्ध, सशक्त और विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आज रायपुर जिले के नगर निगम बीरगांव में आयोजित विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर बीरगांव नगर निगम क्षेत्र को 135 करोड़ रुपये से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने इन कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करने के साथ ही क्षेत्र की आवश्यकताओं को देखते हुए लगभग 110 करोड़ रुपये के नवीन विकास कार्यों की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बीरगांव तेजी से विकसित हो रहा शहरी क्षेत्र है। औद्योगिक गतिविधियों और बढ़ती आबादी के अनुरूप यहां सड़क, पेयजल, स्वच्छता, सीवरेज, खेल सुविधाओं और अन्य नागरिक अधोसंरचनाओं को मजबूत करने की आवश्यकता है। राज्य सरकार इन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए योजनाबद्ध ढंग से कार्य कर रही है। पिछले ढाई वर्षों में बीरगांव नगर निगम क्षेत्र को 160 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज लोकार्पित और भूमिपूजन किए गए विकास कार्यों में नगर निगम से संबंधित 94 करोड़ रुपये से अधिक तथा लोक निर्माण विभाग के 38 करोड़ रुपये से अधिक के कार्य शामिल हैं। इसके साथ ही नगरोत्थान योजना के अंतर्गत लगभग 16 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया है। इन कार्यों के पूरा होने से बीरगांव और आसपास के क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, स्वच्छता, खेल अधोसंरचना सहित अनेक बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा और नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बीरगांव नगर निगम क्षेत्र के रावांभाठा, बंजारी नगर, शक्तिपारा, मठपारा, शीतलापारा, उरकुरा और मजदूर नगर सरोरा में सर्वेक्षण करवाकर पात्र लोगों को नियमानुसार आवासीय पट्टे वितरित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि गरीब और जरूरतमंद परिवारों को आवासीय सुरक्षा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

गरीब, महिला, श्रमिक और जरूरतमंद परिवारों का कल्याण हमारी प्राथमिकता

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार गरीब, महिला, श्रमिक, किसान, युवा और जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 1600 प्रधानमंत्री आवास बनाए जा रहे हैं। सरकार ने 18 लाख गरीब परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की 68 लाख से अधिक माताओं-बहनों को नियमित आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। 5.60 लाख से अधिक भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों को सालाना 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। तेंदूपत्ता संग्रहण की दर बढ़ाने के साथ चरण पादुका योजना को फिर से प्रारंभ किया गया है। श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से अब तक 50 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या जाकर प्रभु श्रीरामलला के दर्शन कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद विकास में एक बड़ी बाधा रहा है। नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता मिली है। इससे उन क्षेत्रों में विकास के नए द्वार खुले हैं, जो लंबे समय तक बुनियादी सुविधाओं और अवसरों से वंचित रहे।

स्टेट कैपिटल रीजन से बीरगांव के विकास को मिलेगी नई दिशा, ईज ऑफ लिविंग पर फोकस

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार रायपुर, दुर्ग-भिलाई और आसपास के क्षेत्रों को सम्मिलित करते हुए स्टेट कैपिटल रीजन विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। पूरे क्षेत्र के सुनियोजित, समन्वित और दीर्घकालीन विकास का रोडमैप तैयार किया जाएगा। यहां आधुनिक शहरी अधोसंरचना एवं नागरिक सुविधाओं के विकास को नई गति मिलेगी। विकास का अर्थ केवल सड़क और भवन बनाना नहीं, बल्कि नागरिकों के दैनिक जीवन को आसान बनाना भी है। सरकार ईज ऑफ लिविंग की दिशा में लगातार सुधार कर रही है। सरकारी सेवाओं को सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि बीरगांव में मॉडल रजिस्ट्री कार्यालय का निर्माण भी किया जाएगा। इससे बीरगांव और आसपास के नागरिकों को जमीन की रजिस्ट्री से संबंधित सेवाएं अधिक सुविधाजनक ढंग से उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बीरगांव नगर निगम क्षेत्र में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के निर्माण के लिए 82 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने ओवरहेड टैंक एवं पाइपलाइन विस्तार के लिए 10 करोड़ रुपये, अधोसंरचना मद से सड़क एवं नाली निर्माण के लिए 5 करोड़ रुपये तथा सरोरा में खेल मैदान के विकास के लिए 5 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने बीरगांव में नालंदा परिसर के निर्माण के लिए भी 5 करोड़ रुपये देने की घोषणा की।

उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रावांभाठा में विद्युतीकरण एवं मरम्मत के लिए 50 लाख रुपये, सर्व मांगलिक भवन निर्माण के लिए एक करोड़ रुपये और शासकीय महाविद्यालय में ई-लाइब्रेरी निर्माण के लिए 89 लाख रुपये प्रदान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने बीरगांव में छत्तीसगढ़ विद्युत मंडल का जोन कार्यालय प्रारंभ करने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि इन सभी कार्यों का उद्देश्य बीरगांव के नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना और क्षेत्र को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करना है।

बदलते बस्तर की तस्वीर : प्रकृति, हस्तशिल्प, होमस्टे और इको टूरिज्म को मिल रहा प्रतिसाद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ का बस्तर अब अपनी नई पहचान गढ़ रहा है।

कभी नक्सलवाद और हिंसा के संदर्भ में चर्चा में रहने वाला यह क्षेत्र आज अपनी प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध जनजातीय संस्कृति, कला, परंपराओं और आतिथ्य के कारण पर्यटन के नए केंद्र के रूप में उभर रहा है। बदलते वातावरण के साथ बस्तर में पर्यटन, इको-टूरिज्म, ग्रामीण पर्यटन और स्थानीय उद्यमिता के नए अवसर आकार ले रहे हैं।

बस्तर की सबसे बड़ी विशेषता यहां प्रकृति और संस्कृति का अद्भुत संगम है। चित्रकोट और तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, कुटुमसर एवं कैलाश गुफाएं, मां दंतेश्वरी मंदिर, दलपत सागर और बस्तर पैलेस जैसे स्थल पर्यटकों को प्रकृति, रोमांच, अध्यात्म और इतिहास का अनूठा अनुभव देते हैं। यहां आने वाला पर्यटक केवल दर्शनीय स्थल नहीं देखता, बल्कि स्थानीय जीवन, पारंपरिक खान-पान, हस्तशिल्प, लोकनृत्य और संगीत से भी जुड़ता है। बस्तर को केवल पर्यटन स्थल के रूप में नहीं, बल्कि अनुभव आधारित पर्यटन के एक विशिष्ट क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

पर्यटन के विस्तार के लिए बेहतर कनेक्टिविटी महत्वपूर्ण आधार है। बस्तर में सड़क, रेल और हवाई संपर्क को मजबूत करने के प्रयास पर्यटन की संभावनाओं को नई गति दे रहे हैं। 'बस्तर 2.0' ब्लूप्रिंट में 228 नई सड़कों और 267 पुलों के निर्माण का प्रस्ताव दूरस्थ क्षेत्रों तक संपर्क बढ़ाने की महत्वपूर्ण पहल है।

जगदलपुर स्थित मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट बस्तर को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वर्तमान में रायपुर और हैदराबाद के लिए हवाई संपर्क उपलब्ध है। वहीं रावघाट-जगदलपुर रेल परियोजना जैसी योजनाएं भविष्य में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को और मजबूत करने की संभावनाएं रखती हैं। बेहतर कनेक्टिविटी का लाभ केवल पर्यटकों को ही नहीं मिलेगा। इससे स्थानीय उत्पादों को बाजार, ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर संपर्क और युवाओं को पर्यटन आधारित रोजगार के नए अवसर मिल सकते हैं।

संस्कृति बनी पर्यटन की सबसे बड़ी ताकत

बस्तर की जनजातीय संस्कृति उसकी सबसे बड़ी विशिष्टताओं में शामिल है। बेलमेटल और धातु शिल्प, लकड़ी एवं बांस की कला, पारंपरिक आभूषण, नृत्य, संगीत और खान-पान देश-दुनिया के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। बस्तर पंडुम जैसे आयोजन इस सांस्कृतिक विरासत को व्यापक मंच दे रहे हैं। वर्ष 2026 के बस्तर पंडुम में जनजातीय संस्कृति की 12 विधाओं को मंच मिला और लगभग 55 हजार आदिवासी लोगों की सहभागिता हुई। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम ने बस्तर की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर सामने लाने का अवसर दिया।

बस्तर में ग्रामीण और जनजातीय होमस्टे पर्यटन विकास की महत्वपूर्ण कड़ी बन है। छत्तीसगढ़ होमस्टे नीति 2025-30 के माध्यम से पर्यटकों को स्थानीय परिवारों के साथ रहकर ग्रामीण जीवन, जनजातीय संस्कृति, स्थानीय कला, हस्तशिल्प और पारंपरिक खान-पान का अनुभव देने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

अतिरिक्त कमरा बनाने सरकार दे रही सहायता

बस्तर में नए कमरे के निर्माण पर प्रति कमरा 1 लाख रुपये और पूर्व से निर्मित कमरे के नवीनीकरण पर प्रति कमरा 50 हजार रुपये की सहायता का प्रावधान है। न्यूनतम एक से अधिकतम नौ कमरों तक सहायता की व्यवस्था से ग्रामीण परिवार अपनी क्षमता के अनुसार पर्यटन गतिविधियों से जुड़ सकते हैं। वर्तमान में 85 हितग्राहियों को अनुदान हेतु बैंको को प्रस्ताव भेजी जा चुकी है, तथा 27 होमस्टे पूर्व से छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के साथ पंजीकृत हैं।

आस्था से एडवेंचर तक

बस्तर में धार्मिक, सांस्कृतिक, इको और एडवेंचर पर्यटन की संभावनाएं एक साथ मौजूद हैं। मां दंतेश्वरी मंदिर और बस्तर दशहरा आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन को आधार देते हैं, वहीं कांगेर घाटी और धुड़मारास जैसे क्षेत्र प्रकृति एवं रोमांच आधारित पर्यटन के लिए नए अवसर प्रस्तुत करते हैं। धुड़मारास में एडवेंचर पर्यटन, ग्लास ब्रिज और कैनोपी वॉक जैसी सुविधाएं तथा गांव का यूएन टूरिज्म बेस्ट टूरिज्म विलेज डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिए चयन ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं को नई पहचान दे रहा है। होमस्टे संचालक, पर्यटन गाइड, स्थानीय ड्राइवर, भोजन सेवा, हस्तशिल्प विक्रेता, सांस्कृतिक कलाकार और साहसिक पर्यटन से जुड़े युवा इस नई पर्यटन अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950